खण्ड-07 सत्र-05 / अंक-69

सोमवार 01 अप्रैल, 2024 / 12 चैत्र, 1946 (शक)

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्यमेव जयते

सातवीं विधान सभा

पाँचवां सत्र

अधिकृत विवरण

(खण्ड-07 सत्र-05 में अंक 50 से अंक 70 तक सम्मिलित हैं)

दिल्ली विधान सभा सचिवालय

पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054

सम्पादक वर्ग

EDITORIAL BOARD

राज कुमार

सचिव

RAJ KUMAR

Secretary

महेन्द्र गुप्ता

उप-सचिव (सम्पादन)

MAHENDRA GUPTA

Deputy Secretary (Editing)

विषय सूची

सत्र-5 सोमवार, 01 अप्रैल, 2024/12 चैत्र, 1946 (शक) अंक-69

क्र.सं.	विषय	पृष्ठ सं.
1.	सदन में उपस्थित सदस्यों की सूची	1-2
2.	विशेष उल्लेख (नियम-280)	3-4
3.	अल्पकालिक चर्चा (नियम-55)	5-60

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-5 सोमवार, 01 अप्रैल, 2024/12 चैत्र, 1946 (शक) अंक-69

दिल्ली विधान सभा

निम्नलिखित सदस्य सदन में उपस्थित हुए:

1. श्री अजेश यादव
2. श्री अखिलेशपति त्रिपाठी
3. श्रीमती ए. धनवंती चंदीला ए.
4. श्री अब्दुल रहमान
5. सुश्री भावना गौड
6. श्री धर्मपाल लाकड़ा
7. श्री दिनेश मोहनिया
8. श्री दुर्गेश कुमार
9. श्री गिरीश सोनी
10. श्री जय भगवान
11. श्री कुलदीप कुमार
12. श्री मुकेश अहलावत
13. श्री प्रीति जितेंद्र तोमर
14. श्रीमती प्रमिला धीरज टोकस
15. श्री राजेश गुप्ता
16. श्री राजेन्द्र पाल गौतम
17. श्री रोहित कुमार
18. श्री संजीव झा
19. श्री सोमदत्त
20. श्री शिव चरण गोयल

21. श्री सोमनाथ भारती
22. श्री एस. के. बग्गा
23. श्री अजय दत्त
24. श्री अभय वर्मा
25. श्री अनिल कुमार बाजपेयी
26. श्री अजय कुमार महावर
27. श्री जितेंद्र महाजन
28. श्री मोहन सिंह बिष्ट
29. श्री नरेश यादव
30. श्री ओमप्रकाश शर्मा
31. श्री पवन शर्मा
32. श्री प्रलाद सिंह साहनी
33. श्री प्रवीण कुमार
34. श्री ऋतुराज गोविंद
35. श्री रघुविंदर शौकीन
36. श्री राजेश ऋषि
37. श्री विजेंद्र गुप्ता
38. श्री विशेष रवि

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-5 सोमवार, 01 अप्रैल, 2024/12 चैत्र, 1946 (शक) अंक-69

दिल्ली विधान सभा

सदन 11.36 बजे समवेत हुआ

माननीय अध्यक्ष (श्री रामनिवास गोयल) पीठासीन हुए।

माननीय अध्यक्ष: सभी माननीय सदस्यों का स्वागत है, 280 श्री शिवचरण गोयल जी।

विशेष उल्लेख (नियम-280)

श्री शिवचरण गोयल: अध्यक्ष जी धन्यवाद आपने मुझे अपने क्षेत्र की समस्याओं को उठाने का मौका दिया। अध्यक्ष जी मेरी विधान सभा में एक हॉस्पिटल है आचार्य भिक्षु। जब 2015 में हम विधायक बने, आम आदमी पार्टी आई तो वहां पर मुझे चेयरमेन उस हॉस्पिटल का बनने का सौभाग्य मिला और मैं उस हॉस्पिटल में गया तो वहां का बहुत बुरा हाल था। चारों तरफ गंदगी थी, 100 बैड का हॉस्पिटल था वो और वहां पर मरीज जाने से कतराते थे। दवाईयाँ नहीं थी, टैस्ट नहीं थे, ऑपरेशन नहीं थे। तो मैं अपने माननीय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी का जितना भी आभार व्यक्त करूं कम रहेगा। मात्र पांच-सात महीने

में उस हॉस्पिटल का कायाकल्प हो गया। पहले वो सौ बैड का हॉस्पिटल था, उसको बढ़ाकर डेढ़ सौ बैड का किया गया। उसके बाद जब कोरोना आया तो उसको 180 बैड का कर दिया गया। उसके साथ ही एक नई बिल्डिंग का निर्माण शुरू हुआ जिसमें 272 बैड अलॉट हुए और इस हॉस्पिटल के अंदर तमाम सुविधाएं, ब्लड बैंक, आईसीयू, वैंटिलेटर तमाम सुविधाओं से युक्त ये हॉस्पिटल बनकर अभी दो-तीन महीने से तैयार खड़ा हुआ है ये। मेरी डॉक्टर से बात हुई, मैडिकल सुप्रिटेंडेंट से तो उन्होंने बताया अभी तो इसको हम टैकओवर नहीं कर रहे। मैंने पूछा कारण क्या है, उन्होंने कहा जी अभी तक भी इस हॉस्पिटल को मैनपावर अलॉट नहीं हुई है। ना डॉक्टर सैंक्शन हुए हैं, ना नर्स, ना मैडिकल स्टाफ, ना सैनिटेशन स्टाफ, जो तमाम हॉस्पिटल के लिए प्रोवाइड किए जाते हैं अब तक सैंक्शन नहीं हुआ। जब तक मैनपावर सैंक्शन नहीं होगी हॉस्पिटल रन नहीं कर सकता। तो आज ये हॉस्पिटल 452 बैड का बनकर तैयार हो जाएगा और ये हमारे आसपास के क्षेत्र में सबसे बड़ा हॉस्पिटल होगा। तो पेशेंट आते हैं, लोग आते हैं मेरे पास, वो कहते हैं विधायक जी ये हॉस्पिटल बनकर तैयार है आप इसको कृपया करके शुरू करवायें। मैं हैल्थ सेक्रेटरी से मिला हूं, तमाम लैटर्स लिखे हुए हैं। तो मैं आपके माध्यम से अध्यक्ष जी चाहता हूं कि इसको जल्द से जल्द स्टार्ट किया जाए, मैनपावर दी जाए, ताकि लाखों मरीजों को उसका फायदा मिल सके। आपने बोलने का मौका दिया बहुत-बहुत शुक्रिया धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री जून साहब। अल्पकालिक चर्चा नियम-55, श्री ऋतुराज गोविंद जी। 'दिल्ली के माननीय मुख्यमंत्री की बेबुनियाद गिरफ्तारी और दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाने की धमकी' के संबंध में चर्चा प्रारम्भ करेंगे।

अल्पकालिक चर्चा (नियम-55)

श्री ऋतुराज गोविंदः धन्यवाद अध्यक्ष जी, मुझे इस महत्वपूर्ण विषय पर आपने बोलने का मौका दिया। अध्यक्ष जी 21 अप्रैल, 2024 को माननीय मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल जी, जो कि दिल्ली के, देश के बहुत ही पॉपूलर नेता हैं। तीन बार के दिल्ली के चुने हुए मुख्यमंत्री हैं, उनको एक फर्जी केस के अंदर में फंसाकर के उनको गिरफ्तार कर लिया गया और किस तरीके से फर्जी गवाहियों पर, किसी शरदचंद्र रेड्डी की गवाही पर, किसी मंगूटा की गवाही पर, किसी और दो लोगों की गवाही पर, चार लोगों के फर्जी गवाही पर माननीय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी को फर्जी तरीके से गिरफ्तार कर लिया गया है। अगर गवाही पर ही गिरफ्तारी होनी है, फिर तो भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी जिस वक्त गुजरात के मुख्यमंत्री थे उस समय में सहारा और बिड़ला की डायरी आई थी, उसमें साफ-साफ लिखा गया था कि गुजरात के मुख्यमंत्री को कितना पैसा दिया गया। अभी तक तो उनको जेल में होना चाहिए था। लेकिन किस तरीके से राजनीति का षड़यंत्र करके आम आदमी पार्टी को, यहां की सरकार को कुचलने की कोशिश की जा रही है ये इस सदन के अंदर में पहले भी बहुत चर्चा हो चुकी है ऑपरेशन लोटस के नाम पर और ऑपरेशन

लोटस पूरे देश के अंदर में एक ही पार्टी चलाती है उसका नाम भारतीय जनता पार्टी है। किस तरह से चाहे वो कर्नाटक हो, उत्तराखंड हो, गोवा हो, अन्य राज्यों के अंदर भी हम सब देख चुके हैं और अब दिल्ली के अंदर ऑलरेडी तीन-चार बार पहले कोशिश की जा चुकी है, हमारे कई साथियों को सम्पर्क करने की पहले भी कोशिश की जा चुकी है और दिल्ली की सरकार को crush करना चाहते हैं ये लोग। क्यों करना चाहते हैं? क्योंकि अरविंद केजरीवाल एकमात्र नेता हैं देश के अंदर में जिन्होंने नरेंद्र मोदी जी को दिल्ली में बैठे हुए मोदी जी को दिल्ली में चार-चार बार हराया है। 2013 में हराया, 2015 में हराया, 2020 में हराया, 2022 में नगर निगम तक में उनको नहीं रहने दिया। इसलिए नफरत करते हैं। आपको मैं एक चीज बताना चाहता हूं अध्यक्ष जी। अब इन्होंने घटिया काम फिर से शुरू कर दिया है दिल्ली के अंदर और अभी तक तो केवल सुन रहे थे कि राष्ट्रपति शासन लगा देंगे, राष्ट्रपति शासन लगा देंगे, राष्ट्रपति शासन लगा दें। मैं सैकंड टर्म एमएलए हूं, नौ साल का कार्यकाल है हमारा। कल पहली बार अध्यक्ष जी एक शादी अटैंड करने के लिए गया मैं रामलीला मैदान की महारैली के बाद, बवाना के दरियापुर में। वहां पर पिछले तीन-चार दिनों से लोग कोशिश तो कर रहे थे, फोन के माध्यम से मैं आपको अभी नम्बर भी दूंगा, कई लोग कहते हैं ना सबूत दो, सबूत दो, सबूत दो, सबूत दो। आज दिल्ली विधान सभा के अंदर में मैं सबूत दूंगा कि किस तरीके से इन्होंने घटिया काम करने का काम किया है और किस तरह की घटिया चीज कर रहे हैं ये लोग। तीन-चार दिन से फोन पर

तो कोशिश कर रहे थे, कल दरियापुर में जब मैं शादी में गया, मैं आपको समय भी बताऊंगा, आज की तारीख में मोबाइल फोन हर आदमी की परछाई होती है। आप कहां जा रहे हैं, आपका लोकेशन भी ट्रेस हो सकता है, कितना देर है, आपके आसपास कौन लोग है, सब कुछ ट्रेसेबल है। कल दरियापुर में अध्यक्ष जी, कल दरियापुर में सवा नौ बजे के आसपास जब मैं एक शादी अटैंड करने के लिए गया, मुझे ऐसा प्रतीत होता है कि वो लोगों को पहले से जानकारी थी कि मैं वहां पर जाने वाला हूं। तीन-चार लोग मुझे एक तरफ ले गए, मुझे बैठाया और मुझसे कहा कि देखो दिल्ली के अंदर अगर आप लोग नहीं मानोगे, हम आपको बार-बार फोन पर कोशिश कर रहे हैं मनाने की, बताने की। अगर आप नहीं मानोगे कुछ नहीं मिलेगा, दिल्ली के अंदर में राष्ट्रपति शासन लगाने वाले हैं, आप मान जाओ। अपने साथ 10 विधायकों को तोड़कर के ले आओ, सबको 25-25 करोड़ रुपया देंगे और आपको मंत्री पद देंगे जो सरकार बीजेपी बनाएगी। 25-25 करोड़ रुपया देंगे और मंत्री पद देंगे आपको, 10 विधायकों का टारगेट। आप पूर्वांचल के नेता हो, आपके सम्पर्क में बहुत हैं, पुराने साथी हो, आप सबको जानते हो, सबसे बातचीत करो, हमारे behalf पर बातचीत करो, हमको रिपोर्ट दो और हम सब लोगों से बातचीत करके, बहुत सारे लोगों के already हम सम्पर्क में हैं और हम उनको 25-25 करोड़ रुपया भी देंगे और आपको मंत्री बनाएंगे पूर्वांचल कोटा से, बीजेपी की सरकार के अंदर दिल्ली में। जब हमने उनसे कहा कि ये क्या बकवास कर रहे हो, तुम्हें लगता है कि हम जैसे लोग टूटने वाले हैं, उन्होंने बोला

बेवकूफी मत करो, अगर आप नहीं मानोगे दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लग जायेगा और राष्ट्रपति शासन तब तक रहेगा जब तक हम भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने की स्थिति में नहीं आ जाते। कितनी शर्म की बात है अध्यक्ष महोदय। अगर ये बात आपको जांच करानी है तो कराइये, कल रात को 9 बजकर 18 मिनट पर मैं जिस जगह पर था, वहां पर भारतीय जनता पार्टी के जो-जो नेता थे, हमारे साथ उपलब्ध थे, उनका भी मोबाइल का जो नेटवर्क है उनका जो लोकेशन है वो ट्रेस हो जाएगा। आज सुबह, जब कल रात को मेरी बातचीत उनसे हुई और मैंने जो कहना था कह दिया, आज सुबह नौ बजकर 14 मिनट पर इंटरनेट का नम्बर है ये, इंटरनेट कॉलिंग मैं वो नम्बर आपको बताना चाहता हूं, उससे कॉल आ रहा है कि कल रात को हमारे और आपके बीच में जो बातचीत हुई है, अगर इस बारे में आपने किसी से कुछ भी कहा तो आपके साथ ठीक नहीं होगा। धमकी दे रहे हैं मुझे और नम्बर है प्लस 923477355013 आई रिपीट प्लस 923477355013 ये नम्बर है, 9 बजकर 14 मिनट पर फोन आया है। उसके बाद तीन चार बार फोन और आया है, तीन-चार बार और आया है अध्यक्ष जी। रात को वहां पर सम्पर्क किया जब उनको लगा कि हो सकता है ये नौजवान जो है सो जाकर के सबको बता देगा। आज सुबह से मुझे फोन कर रहे हैं, इस इंटरनेट कॉलिंग से और मुझे कह रहे हैं बार-बार कह रहे हैं कि अगर तुमने अपना मुंह खोला तो तुम्हारे साथ ठीक नहीं होगा, अध्यक्ष जी। हमारे नेता जी को इन्होंने झूठे मुकद्दमें में अंदर कर दिया, अब हम लोग को डरा रहे हैं। हम लोग डरने वाले हैं? हम लोग

मर जाएंगे, कट जाएंगे लेकिन अरविंद केजरीवाल के साथ कभी भी गद्दारी नहीं करेंगे। ये कह रहे हैं राष्ट्रपति शासन लगा देंगे, ये दिल्ली की जो जनता है 2 करोड़ लोग हैं, इन्होंने अपने नेता को चुना है। अध्यक्ष जी हम सब काम करना चाहते हैं। ये घटिया राजनीति, एक शरदचंद रेड्डी का तो केस आप सब देख रहे हैं कि ऑपरेशन लोटस किस पैसे से हो रहा है और किस तरीके से इन लोगों ने 60 करोड़ रुपया लेकर के इलैक्ट्रोल बाँड के माध्यम से उसको छोड़ दिया, उसी के गवाही पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी को पकड़ लिया। अध्यक्ष जी मैं इस सदन के माध्यम से कहना चाहता हूं, एक-एक साथी को कहना चाहता हूं, पहली बार मुझे सम्पर्क किया गया है और मैं सबूत के साथ इस सदन में बोल रहा हूंकि इसकी जांच होनी चाहिए, इस नम्बर की जांच होनी चाहिए, जो बात मैं कह रहा हूं उसकी जांच होनी चाहिए, जिस तरीके से पहले हम सब जानते थे कि ये लोग वोटों की चोरी करते हैं, लेकिन कभी पकड़े नहीं गए थे, जैसे कि ये वोटों की चोरी करते हुए रंगे हाथ चंडीगढ़ के अंदर में मेयर चुनाव में पकड़े गए, जिस तरीके से हम लोग जानते थे, ये दोनों रंगा-बिल्ला पूंजीपतियों के दलाल हैं, पूंजीपतियों के इशारे पर सरकार चलाते हैं, इलैक्ट्रोल बाँड के माध्यम से देश के सामने इनकी चोरी पकड़ी गई। किस तरीके से सट्टा चलाने वाली कम्पनी फ्यूचर गेमिंग से पैसा लेते हैं, किस तरीके से बीफ कम्पनी से पैसा लेते हैं, किस तरीके से शरतचंद रेड्डी से, शराब माफिया से पैसा लेकर के उसको बेल पर छोड़ते हैं, किस तरीके से ये लोग काम करते हैं सारे देश के सामने है। अब साबित करने के लिए

कुछ नहीं बचा है। जहां-जहां एमएलए तोड़ा जाता है, जिस-जिस स्टेट में तोड़ा जाता है, जहां भी सरकार तोड़ी जाती है एक ही पार्टी है, जहां भी दंगे कराए जाते हैं, एक ही पार्टी है, इसमें किसी को कुछ कहने की जरूरत नहीं है, अध्यक्ष महोदय अरविंद केजरीवाल जी के साथ हम लोग मरते दम तक हैं, हमेशा रहेंगे, हम लोगों को अरविंद केजरीवाल जी ने रामलीला मैदान से उठाकर के उंगली पकड़कर के चलना सिखाया। हमारी औकात नहीं थी राजनीति में आने की। मैं एक छोटे से मास्टर का बेटा था, छोटी-मोटी नौकरी करता था, हम लोगों को उंगली पकड़ के चलना सिखाया है अरविंद केजरीवाल जी ने, मरते दम तक मर जाएंगे लेकिन कभी भी अरविंद केजरीवाल जी के साथ गद्दारी नहीं करेंगे, बिकने का काम नहीं करेंगे, धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद। श्री संजीव झा जी।

श्री संजीव झाः अध्यक्ष महोदय, अभी जब मैं ऋतुराज भाई को सुन रहा था। कुछ इसी तरह की कोशिश मेरे साथ भी की गई। जिस दिन अरविंद केजरीवाल जी अरेस्ट हुए थे, मैं तरीका पहले बताता हूं कि ये करते कैसे हैं और शर्म नहीं आती है इनको। जिस दिन अरविंद केजरीवाल जी का अरेस्ट हुआ था, मुझे थाने में detain कर लिया गया था और मैं थाने में बुराड़ी थाने में बैठा हुआ था, तो किसी का मुझे फोन आया और उन्होंने कहा कि आप के यहां ना कल सुबह इन्कम टैक्स का रेड होगा। तो चलो हमने हल्के में लिया कि मेरे यहां इन्कम टैक्स का रेड क्या ही करोगे। हाँ, मैं किराये के घर में रहता हूं। अपना कुछ है नहीं, इन्कम है नहीं जिसका तुम ऐसा कुछ पकड़ लो, तो मैंने

उसको बहुत हल्के में लिया। फिर सुबह में कोई आया कि नहीं आज नहीं होगा दो दिन बाद होगी। फिर उसके बाद तीसरे दिन एक व्यक्ति आया उसने कहा देखो आप पार्टी के पुराने आदमी हो। आप शुरू से ही आम आदमी पार्टी में हो। आपके कई विधायक से अच्छे रिश्ते हैं और ये लोग पूरा रिसर्च करके रखते हैं कि किस से किनकी बात होती है, कितनी अच्छी बात होती है, किनके यहां आना-जाना है। ये सारा रिसर्च भी कर रखे हुए हैं कि आपकी अच्छी बातचीत होती है। इस पार्टी में क्या ही मिला है आपको और पार्टी तो खत्म हो जायेगी। अरविंद केजरीवाल जेल चले गए हैं। प्रेजिडेंट रूल लग जायेगा और जब प्रेजिडेंट रूल लग जायेगा तो सारा कमान हमारे हाथ में होगा। तो यहां कुछ मिलने वाला नहीं है। तो आप भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो जाओ और अगर आपने अपने विधायक साथियों को भी अपने साथ ले आए, उनको भी समझाओ। हालांकि ऐसा नहीं है, जब ऋतुराज भाई ने कहा तो मुझे पता चला कि हालांकि ऐसा नहीं कि केवल आपसे बात हो रही है। हम individually भी बात कर रहे हैं सबसे और बहुतों ने हामी भरी है। जब आप भी कह दोगे तो उनमें confidence आयेगा। लेकिन अगर आपने ऐसे आठ दस विधायक जिनसे आपकी अच्छी बातचीत होती है। अगर आपने उनको समझा लिया तो आगे भी सरकार हमारी ही बननी है तो आपको जैसा कहो कैबिनेट कहो, जो भी कहो सब मिलेगा। तो और अगर पैसे की जरूरत है अब कुछ भी कह दो हम तैयार हैं। भारतीय जनता पार्टी मुझे ऐसा लग रहा है कि जिस तरह से अभी इन्होंने एक ज्वाइनिंग कमेटी बनाई थी, वो बिधूड़ी जी दिल्ली

के अध्यक्ष थे ज्वाइनिंग कमेटी के ये तो बाहर की ज्वाइनिंग कमेटी है जिसको प्रेशर में ज्वाईन कराते हैं। ये पूरे देश में इन्होंने एक इन्टरनल टीम बनाई है और जिसमें मुझे ऐसा लगता है जिस तरह से वो रिसर्च में मुझे दिखा रहा था बता रहा था सभी विधायकों के बारे में तो मुझे लगता है कि वो सारी जानकारी भी इकट्ठा करके रखता है कि किसको किसके कैसे भेजेंगे उसके पास, तो ये बात कहीं कह नहीं पाएगा। कौन ऐसा व्यक्ति है जिससे यह प्रभावित है, जिसकी बात सच मान लेगा। एजेंसी में ही हमारे मान लीजिए कोई भी किस तरह कि किस हमारी एजेंसी में काम कर रहा है। कोई मान लीजिए पुलिस में काम कर रहा है, कोई सीबीआई में काम रहा है, कोई कहीं काम कर रहा है, कहीं मेरा जानकार सब जगह करके रखा हुआ है कि ये जाकर अगर कह देगा तो हो सकता है इसकी बात मान ले और ऐसा नहीं उसको सब कुछ, उसको किससे मैसेज दिलवाता है, वो संजीव झा के यहां ना रेड होने वाला है जी। वो बेचारा दौड़ कर आता है परेशान होकर कहने के लिए कि जी आपके यहां तो रेड होने वाला है। तो जो व्यक्ति आया उसने ये भी कहा कि आप भी रेडार पर हैं। वो सूचना तो पहले भी दिलवा दिया था कि आपके यहां आईटी का रेड होना है। तो आपके यहां रेड होने वाला है और हो सकता है जेल भेज देगा। अभी बता भी रहे थे ऋतुराज भाई कोई भी कहता है कि देखो अरविंद केजरीवाल की क्या ही गलती थी, कुछ नहीं था। कुछ नहीं होने के बावजूद जेल भेज दिया। अब देखिये संजय सिंह की क्या, सब बताया, इसमें क्या गलती थी बताईये। संजय सिंह का तो केवल एक ही

अपराध था, वो अपराध ये था कि वो बहुत बोलते थे। इतना नहीं बोलना चाहिए था, तो जेल भेज दिया। तो पूरा उदाहरण के साथ convince करने की पूरी कोशिश कर रहा था। मुझे लगता है कि भारतीय जनता पार्टी या भारतीय जनता पार्टी के जो शीर्षस्थ नेता हैं हालांकि मैं एक बात से पूरी तरह convince हूं कि ये भारतीय जनता पार्टी भी भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं की पार्टी नहीं, अब मोदी जी की पार्टी है। अब मोदी जी कह भी दिये है कि कोई संघ परिवार, कोई भारतीय जनता पार्टी नहीं, ये मोदी परिवार है। ये तो नरेन्द्र मोदी जी जो भारत के प्रधान मंत्री हैं, प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी ये कोशिश कर रहे हैं लगातार कि जहां-जहां जिन से चुनौती मिल रही है उसको पूरी तरह से हम खत्म कर दें। हालांकि शुरूआत में जो उन्होंने अपने से ही किया था गुजरात में और फिर उन्होंने देश में किया। अब जिन-जिन से खै़ है उनको अपनों में जहां कुर्सी से खतरा था पहले उसको खत्म किया, अब बाहर जो चुनौती दे रहे हैं उसको खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं और बड़ा अच्छा, अभी मैं बैठा हुआ था लॉन्ज में तो एक डेटा मुझे मिला कहीं से कि थोड़ा और रिसर्च करके मैं बताऊंगा आपको और मैं एक उदाहरण आपको देता हूं कि जहां कहीं भी सरकार की खरीब-फरोख्त हुई तो उससे पहले किसी ना किसी कम्पनी को पहले फायदा पहुंचाया गया। पहले तो स्कैम किया गया। किस तरह से, आपको याद होगा महाराष्ट्र में सरकार तोड़ी गई थी। एकनाथ शिंदे को बनाया गया था मुख्यमंत्री उससे कुछ ही दिन पहले एनटीपीसी से कोयला नहीं ले करके अदानी से कोयला लिया जाएगा, ऐसा एक

पॉलिसी बनाई गई। तो पैसा पहले कहां से आयेगा वो भी व्यवस्था कर लेते हैं। तो अब तो इलैक्ट्रोल बॉन्ड से जो पैसा आया उसकी जानकारी है कि इलैक्ट्रोल बॉन्ड से पैसे किस-किस तरह से लिये और किस-किस से लिये गए हैं। आज से दस दिन पहले बीबीसी ने एक रिपोर्टिंग करी जो बहुत ही सनसनीखेज था। बीबीसी ने ये कहा कि सभी फार्मा कम्पनियां की अलग-अलग, चाहे वो टोरेंट फार्मा ढेर सारे, इन सबका उदाहरण दिया कि सभी फार्मा की दवाई का नाम बताईये सभी दवाई सैम्पल में फेल हुए लेकिन उसके बावजूद वो मार्केट में बिक रहे हैं। देखिए 745 करोड़ का चंदा इन सभी फार्मा कम्पनियों ने भारतीय जनता पार्टी को, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिया। तो समझिये ये कितने क्रूर लोग हैं कि चंदा के खातिर नकली दवाई मार्केट में बिकवा रहे हैं और वहां से पैसा इकट्ठा करके तुम आम आदमी पार्टी के विधायकों को खरीदने की हिमाकत कर रहे हो। मर जायेंगे, कट जायेंगे लेकिन आम आदमी पार्टी, अरविंद केजरीवाल को नहीं छोडेंगे। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं तुम जान लो और मुझे लगता है पिछले दस दिन से मैं सोच रहा हूं कि इस देश को आजादी मिली। आजाद देश था, बोलने की आजादी संविधान से हमें मिली, संविधान ने अधिकार दिया मुझे। लेकिन आज मैं ये समझ रहा हूं कोई भी व्यक्ति सच बोलने से पहले कहेगा कि अच्छा छोड़ो क्या ही बोलूंगा मैं। पता नहीं किसको भेज दें, कोई आईटी भेज दे। कारोबारी है तो आईटी का डर है, पुलिस का डर है। जो नौकरी में है उनकी अपनी नौकरी का डर है। तो अगर आपको सच बोलने से पहले सरकार का डर लगने लगे तो समझिये फिर आप आजाद नहीं है। और अगर आप आजाद नहीं है तो फिर ये लड़ाई

बहुत बड़ी है। चूंकि इसी आजादी के लिए शहीदे-ए-आजम भगत सिंह फांसी पर झूल गए थे। तो मुझे लगता है कि शहीदे-ए-आजम भगत सिंह के उस कुर्बानी को हम अगर जाया होने देंगे तो आने वाले समय में आने वाला जनरेशन हमे माफ नहीं करेगा। ये लड़ाई और दृढ़ता से लड़नी चाहिए। मुझे लगता है कि ये हमारी जिम्मेदारी है। अध्यक्ष महोदय, अभी हमारे ऋतुराज भाई ने बताया कि अरविंद जी को अरेस्ट किया गया। अरविंद जी को अरेस्ट जिस दो गवाह के बुनियादी पर कराया गया वो दो गवाह पहले लगातार स्टेटमेंट में कहा कि अरविंद जी का कहीं नाम नहीं लिया और वो दो गवाह तो छोड़ दीजिए 238 गवाह ईडी के और 255 गवाह सीबीआई के। अगर ये दोनों गवाह को जोड़ दो तो पांच सौ गवाह, पांच सौ गवाह में से एक भी गवाह अरविंद केजरीवाल जी का नाम नहीं लेता है और ये दो गवाह जिस दिन अरविंद जी का नाम लेता है उसको बेल मिल जाती है। बाहर ये approver बनकर आ जाता है और एक गवाह बी. शरदचन्द रेड्डी जिसको भारतीय जनता पार्टी और प्रधान मंत्री उनकी पूरी टीम किंगपिन कहते थे उस किंगपिन से 60 करोड का चंदा ले लिया और दूसरा गवाह अभी एनडीए एलाइंस से चुनाव लड़ रहा है। इस दो गवाह की बुनियाद पर आपने दिल्ली के सीटिंग सीएम को आपने अरेस्ट कर लिया। कल प्रधान मंत्री जी मेरठ की रैली में कह रहे थे भ्रष्टाचारियों को छोड़ा नहीं जायेगा, भ्रष्टाचारी को छोड़ा नहीं जायेगा। प्रधान मंत्री जी जनवरी में टीएमसी के एक मंत्री थे तपस राय उसके यहां ईडी का रेड हुआ। मार्च में वो भाजपा ज्वाइन कर लिया। उसके बाद कोई ईडी का ना तो कोई रेड हुआ ना कोई ना कोई समन आया। उद्धव जी ग्रुप के

एक एमएलए उसको लगातार तीन समन आया, चौथे समन से पहले भाजपा ज्वाइन कर लिया वो फिर कोई समन उसके पास नहीं आया। तो आप भ्रष्टाचार की जांच नहीं कर रहे। आप घबरा गए हैं और घबराहट में आप ऑपोजिशन के नेता को जेल भेज करके आप 400 पार का सपना देख रहे हैं। इस देश के जनतंत्र की बुनियादी बहुत मजबूत है। मैं मानता हूं ये कि मॉडल अभी पाकिस्तान से आपने सीखा है कि पाकिस्तान में ऑपोजिशन को जेल भेज करके सरकार बनाई गई। पर भारत कभी पाकिस्तान नहीं बन सकता। कितनी भी कोशिश क्यों ना कर लो। अब ये कह रहे थे कि... भी पाकिस्तान से आ रहा है। तो पता नहीं इन्टरनलकैसी गठजोड़ है कि वहीं से अब कॉल भी आने लगे हैं। तो मैं भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को भी कहना चाहता हूं कि आज़ाद आप भी नहीं हो। ये आज़ादी की लड़ाई आपको भी लड़नी पड़ेगी। चाहे विधायक हो, एमपी हो, सामान्य कार्यकर्ता हो, आप प्रधान मंत्री की हॉ में हॉ मिलाओगे तो रहोगे। जिस दिन आपने सवाल पूछ लिया काट दिये जाओगे और उदाहरण ढेर सारे हैं। इन्हीं की पार्टी के एक नेता हुआ करते थे संजय भाई जोशी, बड़े कद्दावर नेता थे और ये ही सब लोग उनके भई बड़े प्रशंसक थे। उसकी गलती केवल इतनी थी कि प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी से असहमत था। आज उसको दिल्ली में रहने का घर नहीं है। आज़ाद आप भी नहीं हो। मुझे लगता है कि ये वक्त है अगर आज हमने नहीं लड़ा तो आपकी बोलने की आजादी भी छीन ली जाये। आपको गुलाम बनकर रहना पड़ेगा। तो हमने तो तय किया है मरना तो सबको है या तो मर-मरकर मरो या लड़कर मरो। तो हमने तो तय किया है कि लड़कर मरना है। मोदी की तानाशाही को

बर्दास्त नहीं करेंगे, भेज दो जेल। क्या बिगाड सकते हो तुम मेरा। तुम जेल भेजना चाहते हो जेल जाने को तैयार हैं। हमने अपने परिवार वालों को भी बोल दिया है कि हमें डिसओन कर लो जिनको डर लग रहा है। चूंकि लडाई अब तानाशाह के आंख में आंख मिलाकर ये लड़ाई है। तो कीमत कुछ भी हो सकती है लेकिन उस कीमत को भुगतने के लिए हम तैयार है। तुम खरीदने चले हो। प्रधानमंत्री जी आपकी हैसियत और औकात नहीं है कि हमको खरीद लोगे। हम अरविंद केजरीवाल के टीम के सिपाही हैं। हम अरविंद केजरीवाल ने जो रास्ता दिखाया था उस पर चलने वाले लोग है। अगर अब दो ही रास्ते हैं या तो तानाशाही को खत्म करना है या खुद को खत्म कर लेना है।तो इकबाल साहब ने लिखा था ना कि:

''सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है
देखना है जोर कितना बाजुए कातिल में है
वक्त आने दे बता देंगे तुझे ए आसमां
हम अभी से क्या बताएं क्या हमारे दिल में है।''

तो अब ये समय आ गया है कि हम सब साथी जो यहां बैठे हैं हम सबको पता है कि हमें इसकी कीमत चुकानी है, तो हम कीमत चुकाने के लिए तैयार हैं पर देशवासियों से भी कहना चाहता हूं मैं, दिल्लीवासियों से भी कहना चाहता हूं कि ये बात मेरी नहीं है। बात आपकी आजादी की भी है, बात संविधान की भी है, बात बाबा साहब ने जो संविधान में अधिकार दिए, उस अधिकार की भी है। अगर आज

अधिकार की रक्षा के लिए आप नहीं उठे तो आप के वो अधिकार छीन लिए जाएगें आपको संविधान खत्म कर लिए जाएगें तो इसीलिए आज जो माकूल वक्त है अब कोई गोली बंदूक उठाने की जरूरत नहीं है, चुनाव का दिन आएगा बटन दबाने की जरूरत है। अब ये जो एक सवा महीने हैं, ये एक सवा महीने घर-घर जाकर लोगों को बताईये कि ये लड़ाई अब कौन जीतेगा, कौन हारेगा, ये नहीं है, ये जनतंत्र बचेगा संविधान बचेगा कि नहीं बचेगा ये लड़ाई उसकी है और जो इस देश से प्यार करता है जो जनतंत्र से प्यार करता है जो इस संविधान से प्यार करता है सबकी जिम्मेदारी है कि इस जनतंत्र की रक्षा के लिए उठकर खड़े हो जाओ और जब चुनाव में मोदी जी का जो सपना है 400 पार का उसको चकनाचूर कर दो चूंकि उनको पता है कि 400 पार अगर नहीं हुए, अगर हम नहीं जीत पाए तो हमारा जगह केवल जेल में है। तो 400 पार कर लो, संविधान बदल दो फिर रशिया की तरह जब तक नरेंद्र मोदी रहेगें तब तक देश का प्रधानमंत्री रहेगें ये कानून बना दो। लेकिन उनका ये मनसूबा कायम नहीं होगा। इसलिए नहीं होगा क्योंकि अरविंद केजरीवाल ने तुम्हारे इस मनसूबे को तोड़ने के लिए, मनसूबे खराब करने के लिए जन्म लिया है। अरविंद केजरीवाल जी को हमेशा ईश्वर ने अच्छे काम का निमित्त बनाया चाहे वो आरटीआई का कानून रहा हो, चाहे भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन रहा हो या मोदी जी का तानाशाही का अंत का हो, ये लड़ाई हो। मुझे लगता है कि अरविंद केजरीवाल जी को जेल भेजकर के इन्होंने अपने ताबूत की आखिरी कील गाड़ दी है और मोदी जी को अरविंद जी का जेल भेजना मोदी जी की तानाशाही का अंत होगा ये अब निश्चित हो

गया है। तो बस मैं अध्यक्ष महोदय इस हाउस को और दिल्ली की जनता को खास कर मैं अपने क्षेत्र की जनता को भी कहना चाहता हूं कि जो आपने हमें मुझ पर विश्वास दिया है आपने अरविंद केजरीवाल जी के जिस वादे को, जिन सपनों को आपने वोट दिया है उनके उन सपनों को हम चकनाचूर नहीं होने देंगे चाहे नरेंद्र मोदी जी, चाहे उनकी पार्टी कितनी भी कोशिश क्यों ना कर ले। तो बस यही बात मैं अध्यक्ष महोदय आपके माध्यम से सदन को भी दिल्ली की जनता को भी और देश की जनता को भी मैं बताना चाहता था और अपने ऑपोजिशन साथियों को भी कहना चाहता था। बहुत बहुत धन्यवाद अध्यक्ष साहब।

माननीय अध्यक्षः श्री कुलदीप कुमार जी।

श्री कुलदीप कुमारः धन्यवाद अध्यक्ष जी, बड़े विस्तार से अभी संजीव जी ने और ऋतुराज जी ने यहां अपनी बात रखी है और सच में आज इस देश में नारा दिया जा रहा है 400 पार का लेकिन हरकत तो ऐसी है कि 40 भी पार नहीं हो रहे। अगर 400 पार हो रहे होते तो जो हरकतें आज देश में चल रही हैं, वो हरकतें चल नहीं रही होतीं। अभी यहां बड़े विस्तार में बताया गया अध्यक्ष जी कि कैसे ऑपरेशन लोटस की चर्चा इस विधानसभा में पहले भी कई बार हो चुकी है और ये चर्चा बार बार क्यों होती है। आज इस देश के अंदर चुनाव है, आम चुनाव की घोषणा हो चुकी है तारीखों का एलान हो चुका है और तारीखों के एलान के बाद जिस तरह से आज केन्द्र में सत्ता में बैठी हुई सरकार विपक्ष को खत्म करना चाहती है और कैसे भी करके, किसी भी कीमत पर उन्हें कोई भी कीमत उसके लिए

चुकानी पड़े, कुछ भी करना पड़े, वो पार्टियों को तोड़ के सरकारों को गिराना चाहती है। अभी यहां संजीव भाई ने, ऋतुरराज भाई ने अपनी आपबीती रखी है। अध्यक्ष जी मैं भी इस हाउस में कई बार इस बात का जिक्र कर चुका हूं कि कैसे भारतीय जनता पार्टी के लोग ट्रैप लगाकर, किस प्रकार से उन्हें डराकर, धमकाकर हमसे किसी भी रास्ते से बातचीत करके मकसद एक ही है कि भाजपा को ज्वाइन कर लो। मकसद एक ही है कि किसी भी तरह से आम आदमी पार्टी की सरकार को गिरा दो। मकसद एक ही है कैसे भी आम आदमी पार्टी को खत्म कर दो भाजपा का, और उसी मकसद के तहत लगातार हम लोगों से संपर्क किया जाता है अध्यक्ष जी आज पूरा देश देख रहा है कि किस प्रकार से चुनी हुई सरकार के विधायकों को किसी भी दम पे तानाशाही के दम पे, डर के दम पे, पैसे के दम पे, धनबल के दम पे किस प्रकार सरकार को तोड़ने की कोशिश की जा रही है और हमें लगातार ये कहा जाता है कि भई तुम या तो बीजेपी में आ जाओ और नहीं आओगे तो जेल जाओगे अब नया फंडा शुरू हो गया। अब क्या फंडा शुरू हुआ है या तो भाजपा में आ जाओ वर्ना हम राष्ट्रपति शासन लगा देंगे, अरे राष्ट्रपति शासन जो लगाने की आप बात करते हो दिल्ली के दो करोड़ लोगों ने अपनी सरकार को चुना है। दिल्ली के दो करोड़ लोगों ने विधायकों को चुना है उन लोगों ने चुन के आम आदमी पार्टी को वोट दिया है। अरविंद केजरीवाल जी को वोट दिया है। आप कितनी साजिश कर लो, आप कितनी ताकत लगा लो, ना तो आप आम आदमी पार्टी के विधायकों को तोड़ पाओगे, ना दबा पाओगे, ना डरा पाओगे क्योंकि हम कट्टर ईमानदार लोग हैं हम जेल तो जा सकते

हैं लेकिन भाजपा में नहीं जा सकते। ये बात स्पष्ट तौर पे यहां पर अध्यक्ष जी कहना चाहता हूं और लगातार आप देख रहे हो पूरे देश के अंदर कैसे किसी भी तरह से अभी पंजाब का मैंने एक उदाहरण दे रहा हूं अध्यक्ष जी यहां पर, पंजाब में आम आदमी पार्टी सांसद ज्वाइन करा लिया भाजपा ने और पूरे देश को पता है कि भारतीय जनता पार्टी वहां चौथे नंबर पर आयेगी आप सोचिये कि उन व्यक्ति के ऊपर किस लेवल का प्रेशर डाला गया होगा, क्या किया गया होगा कि चौथे नंबर की पार्टी में जिनको पता है कि चुनाव लड़ूंगा उस सीट से तो चौथे नंबर पर आऊंगा, उसके बाद भी भाजपा ज्वाइन करनी पड़ती है, इसको कहते हैं तानाशाही का डर। इसको कहते हैं कि तानाशाही के दम पर किसी भी तरह से अपनी पार्टी में लोगों को ज्वाइन कराना, किसी भी दम पर और आप देख रहे हो अभी यहां शरद चंद्र रेड्डी का नाम लिया गया अध्यक्ष जी, आज देश के चुने हुए मुख्यमंत्री दिल्ली के जिनको दिल्ली की जनता ने तीन-तीन बार मैनडेट दिया, हमारी 2015 में 67 सीटें आई थी, भाजपा को 3 सीटें मिली थी हमारे भाजपा के मित्र यहां बैठे हुए हैं। 2020 में चुनाव हुआ, भाजपा को आठ सीटें मिली हमें 62 सीटें मिली। जनता का कितना बड़ा मैनडेट हमारे साथ है। आज ऐसे चुने हुए मुख्यमंत्री को बस इस आधार पर कि किसी व्यक्ति ने ये कह दिया शरद चंद्र रेड्डी ने कि मैंने मुख्यमंत्री जी को किसी से बात करा के मुझ से कहा है कि इसको देख लो, जो ये कहेगा वही मेरी बात है और मैंने उसको 100 करोड़ रूपये दे दिये। लेकिन अध्यक्ष जी, वो तो उसने कहा, न तो कोई उसका सबूत मिला, न कोई मनी ट्रेल मिला, लेकिन देश के सामने जो खुलासा हुआ शरद

चंद्र रेड्डी का कि कैसे चंदा लेकर भारतीय जनता पार्टी ने उस व्यक्ति को शरद चंद्र रेड्डी को बेल देने का काम किया, पहले 5 करोड़ रूपये का चंदा लिया इंटरिम बेल दी और फिर 55 करोड़ का चंदा लिया फिर उसको परमानेंट बेल दी और कल मेरी डिबेट में था तो गौरव भाटिया कहते हैं उसके पीठ में दर्द था। अब पीठ में दर्द पर बेल मिल रही है बताईये। एक शराब घोटाले के किंगपिन को बेल मिल रही है, किसके अंदर? पीठ में दर्द के कारण और वहीं जिन्होंने दिल्ली को हैल्थ का मॉडल दिया, जिन्होंने दिल्ली के लोगों के लिये दिन रात सेवा करी, उन सत्येंद्र जैन साहब की हालत उन्होंने ऐसी कर दी कि उनको बेल नहीं मिलती आज। आप सोचिये देश के कानून को। आप सोचिये भारतीय जनता पार्टी के पीएमएलए कानून के बारे में। तो ये पीएमएलए का जो कानून है अध्यक्ष जी, आज जो तानाशाही की हद को पार करते हुए सरकार को गिराने की कोशिश की जा रही है और ये कोशिश की जा रही है कि इलेक्टिड लोगों के उपर सलेक्टिड लोगों को बिठाया जाये, बाबा साहब अम्बेडकर के संविधान को खत्म करने की कोशिश की जा रही है, आज भाजपा कहती है हमें 400 पार मिलेंगे, भाजपा के सांसद कहते हैं तो हम देश का संविधान खत्म कर देंगे। मैं देश के लोगों से कहना चाहता हूं कि ये लड़ाई दो लोगों के बीच में है एक, सामने भारतीय जनता पार्टी के वो लोग हैं जो इस देश के संविधान को खत्म करना चाहते हैं, बाबा साहब के संविधान को खत्म करना चाहते हैं, और एक तरफ इस देश में वो लोग हैं जो बाबा साहब अम्बेडकर के संविधान को बचाने के लिये अगर अपनी गर्दन भी कटवानी पड़ेगी तो हम पीछे हटने वाले लोग नहीं है अध्यक्ष जी। हम

उसके लिये भी तैयार हैं। तो लड़ाई आज उन लोगों के बीच में है। तो मैं देश के लोगों से कहना चाहता हूं कि इस बार की लड़ाई ये चुनाव इस देश के संविधान को बचाने का चुनाव है, इस देश के डेमोक्रेसी को बचाने का चुनाव है, इस देश की डेमोक्रेसी को बचाना चाहते हो अगर डेमोक्रेसी रहेगी तभी तो पार्टियां रहेंगी। अब हमारे सामने जो विपक्ष के साथी बैठे हुए हैं आप सोचिये वो कह रहे हैं राष्ट्रपति शासन लगा देंगे हम लोग, ये बेचारे कहां जायेंगे उसके बाद। आप सोचिये। हम तो फिर भी जनता की सेवा करते नजर आयेंगे दिल्ली के अंदर। ये डर दिखा कर, ये भय दिखा कर, मैं कहना चाहता हूं प्रधानमंत्री जी, ये डर और भय आप उनको दिखाईयेगा जिनको सत्ता का लोभ और लालच हो। हम तो जनता की सेवा करने के लिये आये हुए हैं, हम तो जनता के काम करने के लिये आये हुए हैं, हम तो विधायक हैं तो भी काम करेंगे, कल को नहीं रहेंगे तो भी काम करेंगे, लेकिन मैं बताना चाहता हूं अगर आप राष्ट्रपति शासन भी लगा दोगे, कभी भी चुनाव कराओगे इस देश के अंदर, भारतीय जनता पार्टी जीरो सीट मिलेंगे अब की बार ये बता रहा हूं दिल्ली विधान सभा के अंदर चुनाव जब भी होगा। जीरो सीट मिलेंगी और उसका परिणाम अब देख लेना, 2024 का चुनाव है और दिल्ली के चुनाव में अबकी बार भारतीय जनता पार्टी सात की सात सीट दिल्ली से हारने जा रही है अध्यक्ष जी ये पूरे जिम्मेदारी से हाउस के अंदर आज कहना चाह रहा हूं। ये बात मैं क्यों कह रहा हूं, भई आप ने दिल्ली के लोगों के ऐसे मुख्यमंत्री को जिन्होंने आपके लिये काम किया, जनता के लिये काम करा, शिक्षा और स्वास्थ्य के लिये

काम किया, आपने उन्हें अरेस्ट करने का काम किया। तो अध्यक्ष जी आज जो ऑपरेशन लोटस चलाया जा रहा है, इस ऑपरेशन लोटस को मैं तो कहता हूं चुनाव आयोग को इसमें संज्ञान लेना चाहिये कि चुनाव की आचार संहिता लागू हो चुकी है और उस समय पर विधायकों की खरीद फरोख्त करने की कोशिश की जा रही है, ये कोशिश की जा रही है कैसे दिल्ली विधान सभा के अंदर हम कब्जा जमा लें, आधे पर तो कब्जा वैसे ही कर रखा है एलजी के माध्यम से, आज एलजी के माध्यम से सरकार की चुनी हुई सरकार की सत्ता छीनने का काम कर रखा है। वो चाहते हैं कि हम सरकार को गिराकर कैसे भी इसमें राष्ट्रपति शासन लगाकर इनको तोड़ लेंगे। मैं कहता हूं अध्यक्ष जी, कि हम आज इस देश के लोकतंत्र की वजह से, इस भारत के संविधान की वजह से आज ये अगर आम आदमी पार्टी देश में नहीं होती तो अध्यक्ष जी मैं एक सामान्य से परिवार से आता हूं, मेरे पिता जी सफाई कर्मचारी हैं, आप सोचिये कि अगर आम आदमी पार्टी नहीं होती, बाबा साहब अम्बेडकर का संविधान नहीं होता, इस देश का लोकतंत्र नहीं होता, तो क्या मुझ जैसा सफाई कर्मचारी का एक बेटा इस देश के अंदर एक लोकसभा का चुनाव लड़ पाता। कोई सपना भी नहीं देख सकता था अध्यक्ष जी कि कोई जनरल सीट पर एक दलित का बेटा चुनाव लड़ लेगा। ये अगर हुआ तो केवल और केवल अरविंद केजरीवाल की सोच के कारण हुआ, आम आदमी पार्टी के कारण हुआ वरना इस देश में कोई सोच भी नहीं सकता था अध्यक्ष जी। ये उस बाबा साहब अम्बेडकर के संविधान को खत्म करना चाहते हैं क्योंकि वो संविधान

महिलाओं की बराबरी की बात करता है, वो संविधान इस देश के दबे कुचले लोगों को बराबरी में, मुख्यधारा में लाने की बात करता है और इनको महिलाओं के बराबरी के अधिकार से नफरत है भाजपा भारतीय जनता पार्टी के लोगों को। प्रधानमंत्री जी को नफरत है महिलाओं के बराबरी के अधिकार से, प्रधानमंत्री को नफरत है कि दलित और पिछड़े लोगों को बराबरी के अधिकार कैसे मिल रहे हैं, इस देश में सबके लिये समान कानून कैसे है, भारतीय जनता पार्टी के लिये अलग कानून क्यों नहीं है। ये तो ये भी चाहते हैं कि इनके लिये कानून ही अलग हो। और कानून तो अलग कर ही रखा है न अध्यक्ष जी। देखिये वही दो अलग कानून चल रहा है देश के अंदर। अभी दिल्ली के अंदर मुख्यमंत्री जी को गिरफ्तार किया गया, उसी दिल्ली के अंदर जब भारतीय जनता पार्टी प्रोटेस्ट करती है तो दिल्ली पुलिस के लोग उनको बड़े इज्जत से लेके जाते हैं, सिंगल बैरिकेडिंग लगाते हैं और कहते हैं तोड़ो और घुस जाओ सचिवालय के अंदर। और जब आम आदमी पार्टी के लोग शांतिपूर्वक प्रदर्शन करते हैं तो छः-छः लेयर की बैरिकेडिंग लगाई जाती है, वाटर केनन चलाये जाते हैं, मुकद्में दर्ज होते हैं, हमारे लोगों के घर पर जाकर पुलिस बैठ जाती है, पुलिस उनके घर को छावनी बना देती है। कानून दो काम कर रहे हैं नहीं कर रहे हैं? भारतीय जनता पार्टी इस देश के संविधान को बदल के यहां पर जो है अपने अलग कानून बनाना चाहती है, अपने अलग नियम बनाना चाहती है, वो इस देश के लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है और लोकतंत्र को बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। जैसे संजीव भाई ने कहा कि जो

भी लोग इस देश के लोकतंत्र में विश्वास रखते हैं, जो भी लोग बराबरी के अधिकार में विश्वास रखते हैं, जो भी लोग समानता के अधिकार में विश्वास रखते हैं उन सब लोगों को बाबा साहब अम्बेडकर के कांस्टिट्यूशन को बचाने के लिये आगे आना होगा और अबकी बार इस तानाशाही सरकार को, इस हिटलरशाही सरकार को, हम सबको मिलकर उखाड़ के फेंकना होगा, अगर हम इसको नहीं फेंका तो मैं कह रहा हूं अध्यक्ष जी आज, ये कहते हैं लोकतंत्र को क्या हुआ? 2024 के बाद अगर भारतीय जनता पार्टी इस देश में आयेगी तो मैं दावे से कह रहा हूं कि 2024 के बाद इस देश का लोकतंत्र नहीं बचेगा, देश का संविधान नहीं बचेगा। और मुख्यमंत्री जी ने तो कहा था अरविंद केजरीवाल जी ने कि सोचो कि जिस देश के गृहमंत्री अगर अमित शाह बनेंगे तो इस देश के लोकतंत्र का क्या होगा, विपक्ष का क्या होगा इस देश के अंदर और आज वो ही देखा जा रहा है कि चुने हुए मुख्यमंत्रियों को जेल में डाला जा रहा है ताकि वो प्रचार न कर सकें। अध्यक्ष जी, सोचो आज यहां हमारे 4 कैंडिडेट अनाउंस हैं दिल्ली के अंदर, अभी कल भाजपा वाले कह दे जी इन चारों को जेल में डाल दो, हो गया चुनाव। किस बात का चुनाव हो रहा है देश में, बताइये? आप किसी को उठाकर जेल में डाल दोगे, आप किसी को जेल में कर दोगे। तो इस बार अध्यक्ष जी मेरा बस ये ही कहना है कि ऑपरेशन लोटस को हमने फेल किया है, हर बार फेल किया है। भारतीय जनता पार्टी कितनी भी कोशिश कर ले, ना हमें खरीद पायेगी, न हमें झुका पायेगी, न हमें दबा पायेगी, हम आंदोलन से निकली हुई पार्टी है, अरविंद केजरीवाल जी के सिपाही हैं, जब अरविंद केजरीवाल जी नहीं

डरें तो हम तो डरने वाले लोग नहीं हैं, हम उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। आज भी मनीष सिसोदिया जेल के अंदर हैं। आज भी संजय सिंह जी जेल के अंदर हैं लेकिन दहाड़ते हुए आते हैं दहाड़ते हुए क्योंकि उन्होंने भ्रष्टाचार नहीं किया, अगर भ्रष्टाचार किया होता तो वो भी भाजपा में शामिल हो जाते। आप देख रहे हों सारे के सारे मिलकर कि आज तो ईडी और सीबीआई केस बंद कर रही है। रोज़ नए लोग भाजपा में शामिल होते हैं और सीबीआई उनके केस बंद कर देती है। अशोक चव्हाण जैसे लोग शामिल हो जाते हैं। छगन भुजबल की ईडी, उनकी कम्पलेंट ही खो देती है। फ्रुल्ल पटेल की, सीबीआई उनकी फाइल ही बंद कर देती है, केस ही बंद कर देती है। नारायण राणे जैसे लोग, भावना गोविल जैसे लोग, हेमंत बिस्वा शर्मा जैसे लोग, जिनके खिलाफ भारतीय जनता पार्टी पूरे देश में कहती थी कि ये भ्रष्टाचारी हैं, भ्रष्टाचारी हैं, जैसे ही भाजपा की वाशिंग मशीन में नहाते हैं, सारे के सारे साफ, सुथरे, सुंदर बन जाते हैं। भई कौन सा डिटर्जेंट पाउडर लगाते हों? मोदी जी का पाउडर काम कर रहा है आज, मोदी जी का पाउडर लगाओ और किसी भी भ्रष्टाचारी को ईमानदार बनाओ, ये आज चल रहा है।

अब आपके, हम सबके पास दो रास्ते हैं, हमारे पास, जितने विधायक बैठे हैं उनके पास भी दो रास्ते हैं, या तो एक रास्ता क्या है, या तो आप भाजपा में जाओ या आप जेल में जाओ। लेकिन मुझे पूरी यकीन है कि हम सारे के सारे लोग जेल जाना चुनेंगे, भाजपा में जाना नहीं चुनेंगे क्योंकि भारतीय जनता पार्टी इस देश की राष्ट्र विरोधी पार्टी

है, वो इकलोती ऐसी पार्टी है जिसने इलेक्टोरल बांड के माध्यम से इस देश के सामने, अध्यक्ष जी, ये बड़ी बात करते हैं कोरोना-कोविड की, कोरोना-कोविड के अंदर, कोविड काल के अंदर इन लोगों ने तो उन लोगों की दवाइयों का पैसा भी नहीं छोड़ा, उन कंपनियों से चंदा भी ले लिया जो इस दिल की, हार्ट की दवाइयां बनाती हैं। आप सोचिए, जो दर्द की, जो हार्ट की दवाई बनाती हैं, जो कैंसर के दवाइयां बनाती हैं, ऐसी कंपनियों से भारतीय जनता पार्टी ने पैसा लिया, सोचिए कितने लोगों की जान को हथेली पर रखकर उन कंपनियों का सैम्पल जिनके फेल हुए उनसे चंदा लेने का काम करते हैं। तो देश में आज चंदा लेकर धंधा देने का काम चल रहा है, चंदा लेकर बेल देने का काम चल रहा है और जो चंदा नहीं देगा, जो भाजपा में नहीं जाएगा उसे जेल भेजने का काम हो रहा है। तो देश के लोग इस तानाशाही के खिलाफ आवाज उठायेंगे और दिल्ली के लोग तो आपने जो उनके बेटे अरविंद केजरीवाल जी को जेल में डालने का काम किया है वो तो आपने कल रामलीला मैदान में देख ही लिया होगा भाजपा वालों। कल पता लग गया भाजपा वालों को, कल इनको पता लग गया कि दिल्ली के लोग अपने बेटे से कितना प्यार करते हैं, इन्होंने स्पष्ट रूप से देख लिया। और दिल्ली में कितने केजरीवाल को आप जेल में डालोगे, यहां हर व्यक्ति केजरीवाल है, केजरीवाल जी कोई व्यक्ति नहीं हैं, अरविंद केजरीवाल जी एक विचार है और विचार को कभी मारा नहीं जा सकता।

माननीय अध्यक्षः कुलदीप जी अब कन्क्लूड करिए, कुलदीप जी कन्क्लूड करिए।

श्री कुलदीप कुमारः विचारों को कभी दबाया नहीं जा सकता है। अरविंद केजरीवाल जी पूरी ताकत के साथ यहां पर आज खड़े हुए हैं। अध्यक्ष जी, एक शेर पढ़कर मैं अपनी बात खत्म करूंगा। अध्यक्ष जी-

''वो लोग और थे जो वक्त के सांचे में ढल गए,

वो लोग और थे जो वक्त के सांचे में ढल गए,

वो लोग और हैं जो भाजपा में शामिल हो गए,

जो डर गए या दब गए,

वो लोग और थे जो वक्त के सांचे में ढल गए,

ये अरविंद केजरीवाल हैं,

वक्त का सांचा बदल देंगे अध्यक्ष जी, मैं कहना चाहता हूं आज यहां सदन में,

वक्त का सांचा बदल देंगे'

और भारतीय जनता पार्टी का बुरा समय शुरू हो चुका है इस देश के अंदर। धन्यवाद अध्यक्ष जी, बहुत-बहुत धन्यवाद, बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्रीमान विजेंद्र गुप्ता जी।

श्री विजेंद्र गुप्ताः धन्यवाद अध्यक्ष जी। सदन की जानकारी में कि केजरीवाल जी को 15 अप्रैल तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। ये जो शराब कांड है इस पर जो न्यायिक हिरासत में भेजा गया है तो ईडी ने बोला है कि केजरीवाल जी गोलमोल जवाब

दे रहे थे, आचरण असहयोगात्मक था, रहा है। मामला क्या है? पहली बात तो मैटर सब्जूडिस है, दूसरा इस सदन में..

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः कुलदीप जी टोकाटाकी नहीं, प्लीज।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः नहीं, उन्हें बोलने दो।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः भैया एक सेकंड। अभी दो वक्ता बोलेंगे न। दो वक्ता बोलेंगे, वो जवाब देंगे।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः देखो कुलदीप जी, कुलदीप जी, बात को समझिये थोड़ा। बात को समझिये, हमारे तीन वक्ता बोले हैं किसी ने टोकाटा की नहीं की। अब टोकाटाकी मत करिए।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः हमारे दो वक्ता बोलेंगे न, वो जवाब देंगे। प्लीज़।

श्री विजेंद्र गुप्ताः मामला सब्जूडिस है, सदन के पटल पर ये चर्चा बेमानी है और अनावश्यक है क्योंकि जब मामला सब्जूडिस होता है, अदालत उसको सुन रही है तो ये एक तरह की दबाव बनाने की कार्रवाई से ज्यादा और कुछ नहीं है, जोकि गैर कानूनी है, मेरे हिसाब

से ये ठीक नहीं है। दूसरा कुछ साथियों ने ये एक दर्जन बार, वो इससे पहले भी कह चुके हैं हमारे विधायक खरीद लिए, बेच दिए, भई कम्पलेंट दो जाकर, आपके पास नंबर आ गया। आप सदन में बोल रहे हो, कल आपको फोन आया था, आपने कोई कम्पलेंट दर्ज कराई क्या थाने में? तो सवाल ये है कि क्योंकि सदन की जो sanctity है उसका इस्तेमाल करके आप कुछ भी बोलो और झूठ-सच कुछ भी करके लोगों को कब तक आप झूठ परोसोगे, चलेगा नहीं। अब मैं आपको बताना चाहता हूं कि ये शराब कांड क्या है। सरकार ने जून, 2021 को इसको लागू किया, 849 शराब की दुकानें खोली गईं..

...व्यवधान...

श्री विजेंद्र गुप्ताः अध्यक्ष जी, 849 शराब की दुकानें खोली जानी थी, इसी तरह के सरकारी ठेके अब

...व्यवधान...

श्री विजेंद्र गुप्ताः अध्यक्ष जी, अध्यक्ष जी की अनुमति से।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः विजेंद्र जी, कुलदीप जी बैठिए, बैठिए। विजेंद्र जी, अगर सत्ता पक्ष के लोग इस विषय पर चर्चा कर रहे हैं, अभी उस पर आप..

...व्यवधान...

श्री विजेंद्र गुप्ताः मैंने अपना ऑब्जेक्शन दर्ज किया हैं न। सर, हम भाग तो ले रहे हैं चर्चा में। हम तो भाग ले रहे हैं लेकिन हमारा ये कहना है..

माननीय अध्यक्षः उस पर आप टिप्पणी करें और खुद उसी पर चर्चा करें, बात है कुछ।

श्री विजेंद्र गुप्ताः अध्यक्ष जी, आपकी अनुमति से बोल रहे हैं।

माननीय अध्यक्षः मैंने इसकी अनुमति नहीं दी।

श्री विजेंद्र गुप्ताः आपकी अनुमति से बोल रहे हैं कि हम अपनी बात कह रहे हैं।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः अब उनको बोल लेने दीजिए, बोलने दीजिए।

...व्यवधान...

श्री विजेंद्र गुप्ताः मुझे अपनी बात कहने दीजिए। आपने जितने मिनट मुझे दिए..

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः इसका उत्तर देंगे,

...व्यवधान...

श्री विजेंद्र गुप्ताः मैं उससे 10 सेकंड पहले मैं खत्म कर दूंगा।

माननीय अध्यक्षः सोमनाथ जी, राजेश जी उत्तर देंगे सारा। चलिए बोलिए।

श्री विजेंद्र गुप्ताः मैं 10 सेकंड पहले खत्म कर दूंगा जितना समय आपने मुझे दिया है।

माननीय अध्यक्षः बोलिये, बोलिये।

श्री विजेंद्र गुप्ताः नीति के अनुसार 849 शराब की दुकानें खुलनी थी, उससे पहले 60 परसेंट सरकारी दुकानें थी, 40 परसेंट प्राइवेट दुकानें थीं। नीति लागू होने के बाद सारी सरकारी दुकानें बंद कर दी गई और प्राइवेट दुकानें खोलने का जो मामला था वो प्रारंभ हो गया। 17 नवंबर, मैं तारीख बता देता हूं सही, जून में पॉलिसी तैयार हुई 2021 में और 17 नवंबर, 2021 को नई शराब नीति लागू कर दी गई। अब मैं एक एग्ज़ेम्पल देकर सदन को अध्यक्ष जी के माध्यम से बताना चाहता हूं कि एक 750 एमएल की बोतल जिसकी कीमत बेचने की 530 रुपये, उसमें जो रिटेलर था उसका प्रोफिट था 33.35 रुपये। सरकार को हर बोतल पर 329 रुपये 89 पैसे मिलते थे, 530 में से सरकार को मिलते थे 329 रुपये 89 पैसे। अब पॉलिसी नई में क्या हुआ, 750 एमएल की बोतल 530 रुपये से बढ़ाकर 560 रुपये कर दी गई,..

माननीय अध्यक्षः विजेंद्र जी, एक बार इसको करेक्ट कर लीजिये।

श्री विजेंद्र गुप्ताः और जो प्रॉफिट था वो 33.35 रुपये से बढ़ाकर 363 रुपये 27 पैसे कर दिया गया।

माननीय अध्यक्ष: विजेंद्र जी, मैं इसको करेक्ट कर रहा हूं। आपने पहले बोला, 500 कुछ रुपये की बोतल थी, उसमें बोला 33 परसेंट गवर्मेंट को जाता था।

श्री विजेंद्र गुप्ता: 33 परसेंट नहीं सर, 33 रुपये 35 पैसे रिटेलर का प्रॉफिट था और सरकार को जा रहा था 329 रुपये 89 पैसे।

माननीय अध्यक्ष: बोलिए।

श्री विजेंद्र गुप्ता: सरकार को हर बोतल पर 329 रुपये 89 पैसे जा रहा था। बाद में 750 एमएल की बोतल पर, 530 से बढ़ाकर 560 कर दी गई। 33 रुपये 35 पैसे से जो प्रॉफिट था वो होलसेलर का और रिटेलर का मिलाकर, वो 363 रुपये 27 पैसे हो गया, होलसेलर का जो था वो 6 परसेंट से बढ़कर 12 परसेंट और रिटेलर का 185 परसेंट। सरकार के जो पैसे थे वो घटकर, 329 रुपये 89 पैसे से घटकर 3 रुपये 78 पैसे रह गए। तो यानि कि जिसमें से 1 रुपये 90 पैसे वैट था। तो मामला ये है कि जब नई नीति लागू की गई तो प्राइवेट प्लेयर्स के साथ मिलकर ये नीति तय की गई और उसके बाद जब ये मामला प्रकाश में आया तो सरकार ने नीति को वापस ले लिया।

इसी मामले में संजय सिंह जी, उप मुख्यमंत्री- मनीष सिसोदिया जी जेल में हैं। हाई कोर्ट ने मुख्यमंत्री-केजरीवाल जी की याचिका पर, गिरफ्तारी की याचिका को खारिज कर दिया और उसके बाद केजरीवाल जी अब ईडी की कस्टडी से निकलकर के तिहाड़ जेल यानि कि जुडिशल कस्टडी में उनको भेजा जा रहा है। मेरा ये कहना है कि इतने

संगीन मामले में जब ये स्पष्ट हो गया कि ये पूरा एक घोटाला हुआ है शराब का, तो इसमें अगर न्यायिक प्रक्रिया के तहत जांच हो रही है और सारी बातें सबके सामने आ रही हैं तो उसका राजनीतिकरण करना, उसको बार-बार ये कहना, अभी इन्होंने ये उदाहरण दिया कि जी 4 हमारे विधायक एमपी का चुनाव लड़ रहे हैं, तो हमें उठाकर बंद कर दो। कानून तो सर्वोपरि है, हम सब जानते हैं। कानून से बड़ा तो कुछ भी नहीं है। अब मान लीजिए, ये चलिए, आप तो विधायक हैं, एमपी लड़ रहे हैं, नेशनल पार्टी के आप सदस्य हैं, आपकी नेशनल पार्टी है, आप उसके सदस्य हैं, वो मामला अलग है। लेकिन अगर दूसरी तरफ आपकी बात को मैं उस उदाहरण में पेश करूं कि कोई भी अपराधी, मान लो कोई जेब कतरा ही है, जेब काटता है, पकड़ा गया और जाकर नॉमिनेशन भर दे और उसको पकड़कर बंद कर दें तो कहेंगे जी ये देखो जी मेरे को तो अब जेल में डाल दिया, मेरा अधिकार छीन लिया, मैं चुनाव कैसे लडूं अब। तो ये तय कर लीजिए अध्यक्ष जी मैं इनसे कहना चाहता हूं कि इस देश पर कानून का राज चलेगा या दबाव की राजनीति चलेगी।

कल जो जनसभा हुई उसमें साफ है कि एक ही बात की जा रही थी कि भ्रष्टाचारियों को क्यों पकड़ा जा रहा है और दूसरी तरफ बात की जाती है कि भ्रष्टाचार मिटाने की बात की जाती है, भ्रष्टाचार हटाने की बात की जाती है। तो आपकी कथनी और करनी में अंतर है। आपने, अन्ना जी के आंदोलन से इस पार्टी का जन्म हुआ जिसमें शराबबंदी मुख्य मुद्दा था और आज आप शराब बेचकर उसमें से

भ्रष्टाचार कर रहे हैं और ज्यादा से ज्यादा लोग शराब कैसे पिये ऐसी नीति बना रहे हैं, तो लोग तो सब समझ रहे हैं, लोग तो सब देख रहे हैं, लोग तो सब जान रहे हैं।

...व्यवधान...

श्री विजेंद्र गुप्ताः प्रश्न ये है कि अगर मामले की गंभीरता को देखते हुए क्यों नहीं उप-मुख्यमंत्री को बेल मिली अभी तक, क्यों नहीं संजय सिंह जी को बेल मिली अभी तक? एक-एक, डेढ़-डेढ़..

...व्यवधान...

श्री विजेंद्र गुप्ताः ये देश कानून से चलता है।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः चलिए।

...व्यवधान...

श्री विजेंद्र गुप्ताः यहां कानून का राज है, कोर्ट से चलता है। इस देश में राजा हो या रंक कानून सबके लिए बराबर है तो आप सुप्रीम कोर्ट तक गए, हाइकोर्ट में खारिज हो गई। सुप्रीम कोर्ट से याचिका वापिस क्यों ले ली। लोगों को आप इमोशनली ब्लैकमेल मत करिये। आज आपका गुस्सा बता रहे हैं आप। अरे यहां कोरम तो पूरा नहीं हो रहा आपका। 11 बजे का हाउस और 11:35 तक कोरम ही पूरा नहीं हो रहा। तो आपके अंदर समझ में आ रहा है कि कितना

उत्साह है। आपके xxxxx[1]। सवाल ये है कि इस पूरे मामले में पूरा लोगों को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का एक संगीन अपराध आम आदमी पार्टी कर रही है। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः विजेंद्र जी ने बोला है 'सारे मंत्री नदारद हैं' ये हटा दिया जाये, एक मंत्री यहां उपस्थित हैं। विजेंद्र जी, चलिए। श्री सोमनाथ जी।

श्री सोमनाथ भारतीः अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे इस महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। अध्यक्ष महोदय इतनी बातें जो कर रहे हैं विपक्ष के साथी अगर इसका जवाब दे दें पिछले दिनों निर्मला सीतारमण जी जो देश की वित्तमंत्री हैं उन्होंने चुनाव लड़ने से मना कर दिया। कहा मेरे पास पैसे नहीं हैं। अब कारण पैसा नहीं होना है या कारण उनके पति प्रभाकर जी के द्वारा जो दिया गया इंटरव्यू है जो बहुत बड़े इकोनोमिस्ट हैं वो इंटरव्यू है। मोदी जी कहते हैं मोदी का परिवार। परिवार के सदस्य इस प्रकार से हैं। निर्मला जी के पति प्रभाकर जी ने जो इंटरव्यू दिया है वो ये दर्शाता है कि ये मोदी जी का परिवार तो बिखर रहा है। प्रभाकर जी हों या हमारे गवर्नर मलिक साहब हों जिन्होंने भाजपा की सच्चाई कि किस प्रकार से देशद्रोह का काम इन्होंने किया है, किस प्रकार से देश के फाइनेंस के साथ, देश की सम्प्रभुता के साथ खेलने का काम किया है, उजागर

---

[1] चिन्हित शब्द अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से हटाया गया।

किया है। तो ये बतायें कहां का मोदी का परिवार। उन्होंने साफ-साफ कहा, खुले शब्दों में कहा, कहा सिर्फ एक ही चीज में महारथ हासिल है माननीय मोदी जी को। वो क्या चीज है? देश में कैसे घृणा फैलाओ। ये मेरे शब्द नहीं हैं ये प्रभाकर जी के शब्द हैं। प्रभाकर जी जो निर्मला सीतारमण जी के हसबैंड हैं उनके शब्द हैं कि मोदी जी को एक चीज़ में पीएचडी हासिल है। वो विषय है देश में घृणा कैसे फैलाओ, आपस में एक दूसरे को कैसे लड़ाओ, देश को कैसे अस्थिर करो। उन्होंने खुले शब्दों में कहा कि मोदी जी ने देश की जो अर्थव्यवस्था है उसको गर्त में ला दिया है। इसका क्या जवाब है भाजपा वालों के पास? कुछ दिन पहले भाजपा के एक एमपी ने कहा, सच्चाई बाहर आ ही जाती है। कहा आने दो 2024 का चुनाव 2024 के चुनाव के परिणाम के बाद देश का संविधान नहीं बचेगा। ये मैं नहीं कह रहा हूँ भाजपा के एक मेंबर ऑफ पार्लियामेंट ने कहा है। अध्यक्ष महोदय ये बात कह रहे थे, पॉलिसी डिसीजन समझा रहे थे कि भई कैसे शराब घोटाला हुआ, क्या हुआ, क्या नहीं हुआ। हमारी तो पॉलिसी डिसीजन को किसी ने अभी दरकिनार नहीं किया है। लेकिन जो इलैक्ट्रोल बॉण्ड्स में जो पॉलिसी बनी थी 2017 में उस पॉलिसी को सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक करार दे दिया। असंवैधानिक करार दिया। मैं कह रहा हूँ इलैक्ट्रॉल बॉण्ड्स के पॉलिसी को आप थोड़ा सब्र करिये, सब्र करिये माननीय विजेंद्र जी सब्र करिये। इलैक्ट्रॉल बॉण्ड्स के पॉलिसी को माननीय सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक करार देकर के क्वैश कर दिया। अब मुझे बताएं एक पॉलिसी बनी, उस पॉलिसी के तहत इस देश के अंदर सबने देखा किस प्रकार से ईडी का

मिस्यूज हुआ। 8 हजार करोड़ भाजपा ने वसूली की। पॉलिसी क्युएस हुई सबके सामने आया किस प्रकार से देखिए जो वादा करते थे देश को कि हम लायेंगे लिस्ट स्विस बैंक से वो एसबीआई को दबा रहे थे कि लिस्ट बाहर मत लाओ। देश को वादा कर रहे थे कि स्विस बैंक से काला धन की लिस्ट लायेंगे और एसबीआई जिसके पास लिस्ट उपलब्ध था उसको लिस्ट नहीं लाने का दवाब डाल रहे थे। इनके कथनी और करनी में क्या फर्क है सबको दिख रहा है।

...व्यवधान...

श्री सोमनाथ भारती: बिल्कुल ठीक कह रहे हैं और अध्यक्ष महोदय एसबीआई ने डंडे की मार से उस पर कंटेंप्ट ऑफ कोर्ट होना चाहिए जहां कह रहे थे जून तक समय लगेगा, जून तक समय लगेगा, जब डंडा लगा तो दो दिन में लिस्ट बाहर आ गई और कहा कि नहीं-नहीं दो लिस्ट है कैसे मैच मेकिंग होगा, तो कहा कि एक काम करो दोनों लिस्ट बाहर कर दो। फिर स्मार्टनेस करके दिखाई कि जो उसका नंबर है जो बॉण्ड का नंबर है जिससे मैच मेकिंग हो सकता है उसका छुपा लिया, फिर कोर्ट जाया गया। फिर नंबर बाहर आया। जब नंबर बाहर आया तो किस प्रकार से देश को मालूम पड़ा कि भाजपा ने इस विश्व का, देश का ही नहीं इस विश्व का सबसे बड़ा फ्रॉड किया है। सबसे बड़ा फ्रॉड किया है। माननीय विजेंद्र जी, आज अगर ईडी को खुली छूट दे दी जाए तो इनके सारे नेता जेल में होंगे, तुरन्त जेल में होंगे, सारे जेल में होंगे। अध्यक्ष महोदय अभी तो एक इलैक्ट्रॉल बॉण्ड बाहर आया है। एक बहुत बड़ा है फ्रॉड और जो छुपा हुआ है

वो है पीएम केयर फंड। इस देश ने देखा इलैक्ट्रॉल बॉण्ड के माध्यम से इस देश ने देखा किस प्रकार से ईडी बन गई जो इन्फोर्समेंट डायरेक्टरेट थी वो बन गई हमारे संजय जी ने कहा इंटरटेनमेंट डायरेक्टरेट लेकिन हम कह रहे हैं एक Extortion Directorate बड़ा साफ-साफ दिखा, पूरा establish हो गया, सबने देखा, विश्व ने देखा कि पहले ईडी कम्पनी पर रेड डालती है, फिर कम्पनी से वसूली की जाती है भाजपा को आती है वसूली, फिर केस ड्रॉप होता है। ये establish हो गया विजेंद्र जी, ये सबने देखा तो भाजपा ने Extortion Directorate यानि ईडी का दुरूपयोग अपने खजाने भरने के लिए किया। चुनाव में जो पैसा खर्च हो रहा है उसकी जिम्मेदारी ईडी को दी और एक जुमला देखिए एक जुमला और चला माननीय मोदी जी कहा कि जो पैसा इक्कट्ठा हो रहा है वो गरीबों में बाटेंगे। मतलब झूठ बोलने की जो इनको पीएचडी हासिल है डॉक्टर नरेन्द्र मोदी जी, हम जो डॉक्टर कह रहे पीएचडी झूठ बोलने में। अब एक और जुमला फेंका कि जो पैसा इक्कट्ठा हो रहा है उसको हम देश में बाटेंगे, गरीबों में बाटेंगे। वो 15 लाख तो अभी तक आया नहीं, लेकिन ये एक और जुमला कर रहे हैं कि भई उसको बाटेंगे और दो हजार सात सौ पंद्रह करोड़ एक दो पैसा नहीं है दो हजार सात सौ पंद्रह करोड़ रुपया भाजपा ने ईडी के माध्यम से वसूली की है। तो मैं आपके माध्यम से भाजपा तक बात पहुंचाना चाहता हूँ कि क्या दो हजार सात सौ पंद्रह करोड़ जो इक्कट्ठा भाजपा ने किया है क्यो नहीं वो आज ही गरीबों में बांट दिया जाए। करना चाहिए कि नहीं करना चाहिए? इलैक्ट्रॉल बॉण्ड वाला वो ही वाला है।

अध्यक्ष महोदय, कल मैं देख रहा था कि जब ये गोदी मीडिया है इसको इंडिया गठबंधन कहने में बड़ी दिक्कत होती है। कोई कहता है इन्डी गठबंधन, कोई कहता है आई डोट, इन डोट इतना मेहनत करते हैं ये लोग। जो बॉस का, इनके आकाओं का जो आदेश है लेकिन कल की जो संख्या थी पूरा रामलीला मैदान लबालब भरा हुआ था और बाहर की सड़कें सारी भरी हुई थीं और इस कारण से भाजपा को मालूम पड़ गया है कि पैर के नीचे से जमीन खिसक गई है और अब इनको तकलीफ हो रही है कि इनके लिए ना उगलना बन रहा है, ना निगलना बन रहा है। अरविन्द केजरीवाल जी को जो इन्होंने अरेस्ट किया, मैं भी सोचता था कभी बैठ के कि भईया जिस प्रकार से इन्होंने भारत में गोदी मीडिया के माध्यम से एक ज़हर फैलाने का काम किया है कैसे इनका खात्मा होगा, तो परमात्मा का इंटरवेन्सन हुआ। डिवाइन इंटरवेन्सन हुआ, केजरीवाल जी को अरेस्ट कर लो। जिस दिन इन्होंने हाथ डाला केजरीवाल जी के ऊपर उस दिन से मोदी जी के खात्मे की शुरूआत इस देश में हो गई अध्यक्ष महोदय। हजारों, करोड़ों रूपया खर्च करते हैं फॉरेन जाते हैं, लाखों, करोड़ खर्च करते हैं देश का ईमेज बनाने के लिए लेकिन पूरे विश्व में करीब-करीब हर देश ने, यहां तक कि यूएन ने इस बात की निन्दा की कि भारत में लोकतंत्र खतरे में हैं। अब बताइये जो सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत है उसका अगर विश्व का हर देश निंदा करेगा तो कहां रह गया देश का ईमेज अध्यक्ष महोदय। दूसरा अभी चुनाव आयोग कल भी हम लोगों ने बात की। इन सारी मुसीबतों का जड़ एक है जो चुनाव घोषणा के बाद ये सारी हरकतें हो

रही हैं। जिस चुनाव आयोग का सलेक्शन तीन सदस्य कमेटी ने करना था। जिसमें तीन लोग थे कौन-कौन मोदी जी यानि प्राइमिनिस्टर, लीडर ऑफ अपोजिशन और एक चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया थे। पहले ये तीन व्यक्ति थे लेकिन इन्होंने कानून बनाकर के पास कर दिया पार्लियामेंट में, क्या? के जी एक होगा प्राइमिनिस्टर, एक होगा प्राइमिनिस्टर के नुमाइंदे और तीसरा होगा एलओपी। अब जब तीन में दो आप ही हो तो चुनाव आयोग किसकी सुनेगा? वो तो आपकी सुनेगा।

...व्यवधान...

श्री सोमनाथ भारती: उस पर भी आ रहा हूँ। शराब पर भी बताऊंगा विजेंद्र जी आप चिन्ता ना करें। अब बता रहे हैं, बता रहे हैं।

माननीय अध्यक्ष: विजेंद्र जी।

श्री सोमनाथ भारती: अरे बता रहे हैं, बता रहे हैं, बता रहे हैं अध्यक्ष महोदय अब आज चुनाव आयोग में दो व्यक्ति जो सलेक्शन कमेटी में दो व्यक्ति भाजपा के हैं तो नेचुरल सी बात है कि चुनाव आयोग कम मोदी आयोग ज्यादा है। अब ये चुनाव घोषणा हो गई टी. एन. सेशन की मुझे याद आती है। मैंने कई बार इस बात को कहा है अगर टी. एन. सेशन जैसा व्यक्ति चुनाव आयुक्त होता तो आज भारत सरकार को बताता कि चुनाव निष्पक्ष कैसे कराना होता है। इन्होंने क्या किया, अब कुछ भी ये कर रहे हैं। मेरे साथी कुलदीप ने ये बात रखी कि जो प्रोटैस्ट दिल्ली में हो रहा है आम आदमी पार्टी करे तो कोई और नियम, भाजपा के लोग करें तो कोई और नियम, उनको वाकायदा

स्टेज बनाके दीजिए। लोग इक्कट्ठे हों जो मर्जी करें, बेरिकेट तोड़ें, जो मर्जी करें। आम आदमी पार्टी के लोग, अरविन्द केजरीवाल के लोग 4 आदमी इक्कट्ठा नहीं हो सकते। यहां तक कि 28 तारीख को जब मैं दिल्ली कैंट में प्रचार कर रहा था तो वहां पे बड़ी भारी संख्या में पुलिस बल आ गई, कहती है प्रचार नहीं कर सकते। क्यों नहीं कर सकते? जी कहते है कि जी परमिशन कहां है? मैंने कहा परमिशन मांगने गया था तो इलैक्शन कमिशन ने कहा अभी तक आपका नामांकन नहीं हुआ है इसलिए आप ऑफिशियली कैंडिडेट नहीं हैं तो आपको परमिशन नहीं दे सकते हम। आप अभी जहां मर्जी जाओ जा सकते हो।

...व्यवधान...

श्री सोमनाथ भारती: एक मिनट अरे भई बात कर लूं यार बात तो रखने दो। अरे बात तो रखने दो भईया।

माननीय अध्यक्ष: विजेंद्र जी उनको बात करने दो।

श्री सोमनाथ भारती: अब ये बार-बार टोकते हैं अध्यक्ष महोदय अपने आप। मत टोको यार बात करने दो, बात रखने दो भईया।

श्री विजेंद्र गुप्ता: बात सही रखो ना आप।

श्री सोमनाथ भारती: रख रहे हैं।

माननीय अध्यक्षः विजेंद्र जी उनको बात रखने दो अपनी। फिर जब आप बोलते हैं तो दूसरे बोलते हैं तो आपको दिक्कत होती है। बाकी सदस्य शांत बैठे हैं आप ही को परेशानी होती है।

श्री सोमनाथ भारतीः तो ये मना कर दिया। मैंने कहा ठीक है कोई बात नहीं, तो कहा भई ये हम लोग जो हैं इसको चूंकि आप मुझे रोक रहे हो तो और कारण बताओ, कहते हैं 144 लगा है। मैंने कहा वो 144 लगा है दिखाओ कहां है आर्डर, आर्डर भी नहीं दिखा रहे। फिर मैंने कहा भई एक काम करो 144 में 5 की बनाई है न 5 या ज्यादा हम 4 चले जाते हैं कह रहे हैं 4 भी नहीं जा सकते आप, बाकायदा सब वीडियो में रिकार्डेड है। मैंने कहा भई क्या चक्कर है? तो साइड में ले जाकर बोलता है भाई साहब बहुत प्रेशर है, क्या बताऊं बहुत प्रेशर है, आप लोग चुनाव जीतो। परमात्मा करे कि आप दिल्ली की सातों सीट जीतो ऐसा पुलिस के अधिकारी ने कहा, पुलिस के अधिकारी ने कहा। कहा इतने दबाव में भाई साहब नरक बना दी इन लोगों ने जिंदगी हमारी, सीधा ट्रांसफर की धमकी देते हैं ये। कहते हैं भई तुम्हारी जिंदगी नरक बना देंगे अगर तुम हमारा कहना नहीं मानोगे। अध्यक्ष महोदय, ये दिल्ली का हाल है, दिल्ली पुलिस का हाल है। अब ये देखें तो चुनाव की घोषणा के बाद दो तरह के कानून हो गये। विपक्ष की नेशनल पार्टी के कनवीनर को अरेस्ट कर लिया इन्होंने चुनाव आयोग शांत बैठा हुआ है बिलकुल मूक बैठा हुआ है। वो उसकी ड्यूटी थी कि फ्री एंड फेयर इलेक्शन कराने के लिए सारे के सारे नेता बाहर रहें। आज बीजेपी को जो सुनिश्चित किया है एक खुला छूट दिया

है कि जो मर्जी करो, एक्सटोर्सन करो, नेताओं को बंद करो, जो मर्जी करो खुली छूट है इनको अध्यक्ष महोदय। तो आज पूरा देश देख रहा है कि विपक्षी पार्टियों के अकाउंट को फ्रीज कर दो, विपक्षी पार्टी के नेताओं को बंद कर दो, विपक्षी पार्टी के उम्मीदवारों को प्रचार न करने दो डिटेन कर लो पूरा विश्व देख रहा है पूरे विश्व में भारत की डेमोक्रेसी मजाक बनकर रह गया है अध्यक्ष महोदय। अब कह रहे हैं जी शराब घोटाला, अब आता हूं घोटाले पर। अध्यक्ष महोदय, इस देश मे पहली बार देखा जो ईडी ने काम किया। शरतचंद्र रेड्डी जो इस सो कॉल्ड घोटाले का किंगपिन था उस व्यक्ति को अरेस्ट कर लिया फिर 5 करोड़ रुपया इलेक्ट्रोल बांड के माध्यम से वसूली की फिर 6 महीने जेल में रखता हैं इस दौरान जितने स्टेटमेंट्स होते हैं एज ए लॉयर बता रहा हूं मैं, ये जितने स्टेटमेंट हो जब कोर्ट के सामने स्टेटमेंट्स भी हुए उन कोर्ट के सामने दिये गये स्टेटमेंट्स में भी अरविंद जी का नाम नहीं है, नहीं है। उसके बाद डील होती है भाजपा और रेड्डी की, डील क्या होती है, तू दो काम कर दे तुम्हारी आजादी सुनिश्चित कर दूंगा। काम क्या है भईया, एक तो तू इलेक्ट्रोल बांड के माध्यम से और 55 करोड़ रुपया दे दे भाजपा को, बोला दिया। अध्यक्ष महोदय अगर कोई जेल में जाए न जिसकी सारी जिंदगी एसी में बीतती हो बड़े से बड़ा आदमी टूट जाए 6 महीने में। वो बोला भई एक काम करो केजरीवाल को छोड़ो तुम कहो मोदी का नाम लिख दें। अगर ईडी वाला कहता तू मोदी का नाम लिख दे तो वो मोदी का नाम लिख देता। तो डील क्या हुई? एक तो तू 55 करोड़ दे इलेक्ट्रोल बांड के माध्यम से और दूसरा

अरविंद केजरीवाल का नाम लिख, बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है अध्यक्ष महोदय। इस प्रकार की हरकत एक चीज़ दर्शाती है कि भाजपा को इस देश से प्रेम नहीं है। उसका कारण है आज़ादी की लड़ाई में इन लोगों का कोई कंट्रीब्यूशन नहीं। वो कहानी है न एक बच्चा गुम हो गया उसको लाया गया राजा के सामने, दो औरतें वहां पर आई बोली की हमारा है, हमारा है राजा ने कहा एक काम करो इसको दो भागों में बांट दो आधा इसको दे दो आधा उसको दे दो, जिसका था उसने कहा भई उसी को दे दो कम से कम बच्चा जिंदा तो रहेगा। इनका तो देश कभी था ही नहीं, इन्होंने कभी कंट्रीब्यूशन किया ही नहीं, इन्होंने हमारा झंडा तक नहीं फहराया। अध्यक्ष महोदय, आज इनकी हर हरकत देश का विभाजन करने पर तुली हुई है अध्यक्ष महोदय। जो पंजाब के साथी हैं उनको आतंकवादी कह रहे हैं, जो किसान हैं उनको आतंकवादी कह रहे हैं। मणिपुर में ऐसी घटना घटी जहां की औरतों को निर्वस्त्र करके घुमाया गया लेकिन वहां पर प्रेजीडेंट रूल नहीं सूझा इनको, आज तक वहां पर आग लगी हुई है। मणिपुर की कई बहनें दिल्ली में रहती है आकर के बोलती हैं सोमनाथ जी आप सदन जाओ सदन जाकर के हमारा मुद्दा उठाओ। हमने बहनों को प्रोमिस किया है कि हमारे सांसद मणिपुर के साथ हैं और मणिपुर की मुसीबत पर समाधान सदन के अंदर से लेकर के आएंगे। अध्यक्ष महोदय, ये जो बात करते हैं कई बार चूंकि मैं भी उसका भुक्तभोगी रहा भई 20 करोड़ ले लो, 25 करोड़ ले लो, 10 ले आओ, ये तोड़ देंगे वो तोड़ देंगे पार्क में जब भी घूमने जाता हूं कोई न कोई आदमी आता है सोमनाथ जी अमित शाह जी से मिलवा देते

हैं, आप चलो तो सही। मतलब ये लगे हुए हैं येन-केन-प्रकारेण ये स्टेजेज पर हैं। वोटर्स लिस्ट मैनेजमेंट पहले करेंगे कि भइया पहले जो वोटर्स है उसकी लिस्ट में हेराफेरी करो, जो आम आदमी पार्टी के वोटर हैं उनके नाम कटवा दो, जो ेक वोटर्स उनके फेवर में जाएंगे उनके नाम जुड़वा दो। अगर वहां नहीं मैनेज कर पाए और फिर भी इलेक्शन के दौरान वोटिंग पड़ रही है तो वोटिंग मैनेजमेंट करो। जिस कालोनी से ज्यादा वोट आएंगे आम आदमी पार्टी को उसको वोट मत डालने दो। फिर अध्यक्ष महोदय काउंटिंग मैनेजमेंट करो अगर वो वहां भी किल रहे और एमएलए चुनकर के आ गये तो एमएलए मैनेजमेंट करो। अब वो ईडी का डर दिखाओ, उसे सीबीआई का डर दिखाओ अगर उससे भी न डरे तो पैसे दो येन-केन-प्रकारेण एमएलए को खरीदकर के लेकर आओ। अगर वहां भी नहीं कर पाए और एमएलए जैसे आम आदमी पार्टी के डटे रहे केजरीवाल जी के साथ आज भी सारे विधायक जो इनको आशंका थी, जो इनको लोलुपता थी कि आम आदमी पार्टी के विधायक टूट जाएंगे मैं अपने साथियों को मुबारकबाद देता हूं कि अरविंद जी के अरेस्ट के बाद भी हमारा कोई एक साथी नहीं टूटा, ये बहुत बड़ी बात है अध्यक्ष महोदय। अब ये क्या कर रहे हैं कि एलजी के माध्यम से गवर्नर के माध्यम से वहां के गवर्नेंस को डिस्टर्ब करो चाहे पंजाब हो या दिल्ली हो वहां पर डिस्टर्बेंस करने की इन्होंने ठानी है। अध्यक्ष महोदय और कई प्रकार से मंत्रियों को अरेस्ट कर लो फेक केसेज में और जो सबसे बड़ी बात इन्होंने यहां करी है कि एक सिटिंग चीफ मिनिस्टर एक ऐसे व्यक्ति की स्टेटमेंट के आधार पर अरेस्ट कर

लिया जो कि पिछले 6 स्टेटमेंट्स में कभी भी अरविंद केजरीवाल का नाम नहीं लिया। इनके पास कोई सबूत नहीं किसी प्रकार का सबूत नहीं है। अध्यक्ष महोदय, अब ये सोच रहे हैं कि अरविंद जी रिजाइन कर दें लेकिन अरविंद जी ने पहले पूरी दिल्ली से पूछ लिया था, काउंसलरों से पूछ लिया था, विधायकों से पूछ लिया था और पूरी दिल्ली से पूछ लिया था कि जी अगर ये भाजपा वाले हमें अरेस्ट करें, हमारे मुख्यमंत्री को अरेस्ट करें तो क्या करना चाहिए पूरी दिल्ली कह रही है अरविंद केजरीवाल जी आपको रिजाइन नहीं करना है और इससे बहुत दुखी हैं ये। अध्यक्ष महोदय, ऐसे अनेकों उदाहरण हैं जहां कि भाजपा को शर्मसार होना चाहिए और मैं आज इस सदन के अंदर अनाउंस कर रहा हूं अगर इन्होंने गलती से भी प्रेजीडेंट रूल लगाने की ठानी दिल्ली के अंदर मैं सिर मुंडवाकर पूरी दिल्ली में डोर टू डोर जाऊंगा और बताऊंगा दिल्ली को, इस दिल्ली का हर निवासी जानेगा किस प्रकार से डेमोक्रेसी की हत्या भाजपा ने की है, मोदी ने की है। किस प्रकार से शहीद भगत सिंह का मर्डर फिर मोदी ने किया है और साथियों को बता दूं मैं उस दिन कोर्ट में था जिस दिन माननीय केजरीवाल साहब को पेश किया गया पहली बार। मैंने उनसे पूछा सर क्या करना है अब दिल्ली के अंदर कैसे काम करेंगे, सर ने कहा कि सोमनाथ केजरीवाल हो या आम आदमी पार्टी का कोई भी सैनिक हो हम जीते हैं इस देश के लिए, मरते हैं इस देश के लिए और यही चीज़ हमको प्रेरणा देती रहेगी और जिस प्रकार से भगत सिंह ने अंग्रेजों का मुकाबला किया उसी प्रकार से हम सब लोगों को मिलकर के इस

तानाशाह का मुकाबला करना है। अध्यक्ष महोदय, राम और रावण के बीच की जो लड़ाई है जहां भगवान श्रीराम के पास न तो सेना है न संसाधन हैं और एक तरफ रावण है उसके पास सब कुछ है लेकिन जीत वहीं होती है जहां सत्यता होती है। ये कितना कर लें येन-केन-प्रकारेण जो चाहे वो कर लें लेकिन भारत का एक-एक व्यक्ति आज इस बात से वाकिफी हो गई है सबकी कि इस देश को अगर कोई बचा सकता है, इस देश के अंदर कोई लोकतंत्र बचा सकता है उसका नाम है अरविंद केजरीवाल अध्यक्ष महोदय। अध्यक्ष महोदय, मुझे याद है जो जेब कतरे की बात कर रहे थे विजेंद्र जी।

माननीय अध्यक्षः सोमनाथ जी अब कन्क्लूड करिये प्लीज़।

श्री सोमनाथ भारतीः एक कांस्टेबल था चूंकि उस वक्त मैं लॉ-मिनिस्टर था इसलिए बता रहा हूं आपको एक करप्ट कांस्टेबल को बचाने के लिए पूरी केन्द्र सरकार उतर गई दिल्ली हाईकोर्ट में कि नहीं जी आप इसको प्रोसीक्यूट नहीं कर सकते, क्यों नहीं कर सकते? कह रहे हैं कि एंटीकरप्शन ब्रांच एक पुलिस थाने के दायरे में आता है इसलिए जो कि आपके पास नहीं है इसलिए आप उसको प्रोसीक्यूट नही कर सकते। तो विजेंद्र जी पूरी भाजपा सरकार उतरी एक करप्ट कांस्टेबल के फेवर में कि आपसे दिल्ली सरकार से उसी दिन छीन लिया गया एंटीकरप्शन ब्रांच। अध्यक्ष महोदय, नोटबंदी हो, मैं जानना चाहता हूं नोटबंदी से कितना फायदा पहुंचा इस देश को, जीएसटी से कितना फायदा पहुंचा इस देश को। इनका जो इलेक्ट्रोल बांड है जो आलरेडी अनकांस्टिट्यूशनल डिक्लेयर कर दिया गया है कितना फायदा पहुंचा इस

देश को। इतनी सारी स्कीम्स जो अफ्रंट फेलियर हैं वहां पर कोई प्रोसीक्यूशन नहीं, वहां पर कोई जेल नहीं, वहां पर कोई जांच नहीं, जांच कहां है सारा पैसा लिया भाजपा ने, जेल में भेजा गया अरविंद केजरीवाल को और हमारे नेताओं को अध्यक्ष महोदय और आखिरी में चूंकि आपने देखा होगा अभी परसों का अभी सीबीआई का मिसयूज किया ईडी का मिसयूज किया चुनाव अनाउंसमेंट के बाद भईया भारत रत्न बांट रहे हो जैसे कि पता नहीं घर में अपने कोई सामान हो और भारत रत्न का जो प्रयोग किया इन लोगों ने आपने देखा होगा चुनाव के अनाउंसमेंट के बाद भारत रत्न का भी इस्तेमाल कर लिया चुनाव के अभियान में इन्होंने और कल पूरे देश ने, पूरे विश्व ने देखा किस प्रकार से प्रेजीडेंट खड़ी हैं और प्रधानमंत्री जी बैठे हुए हैं। एक महिला, एक आदिवासी महिला जो देश की प्रेजीडेंट हैं वो बेचारी खड़ी हैं और माननीय मोदी जी बैठे हुए हैं। इस देश ने देखा इनको तनिक भी संवैधानिक गरिमा की कोई चिंता नहीं है अध्यक्ष महोदय और आखिरी में मैं कह दूं अपने साथियों को वो जो दूसरी आज़ादी का दूसरी आज़ादी पाने का जो अभियान शुरु हुआ है अरविंद केजरीवाल जी के अरेस्ट के बाद तो देश की आजादी बहुत प्यारी है हमें। अपनी आजादी को हम हर्गिज मिटा सकते नहीं, सर कटा सकते हैं लेकिन, सर झुका सकते नहीं ये बात भाजपा जान ले। हम शहीद भगत सिंह जी के चेले हैं अपना सबकुछ कुर्बान कर देंगे, इनका जेल मंजूर है, लेकिन भाजपा जिस प्रकार से असंवैधानिक काम कर रही है, देश को बर्बाद कर रही है, देश के जनतंत्र को मिटा रही है, संविधान को खत्म कर रही है,

बाबा साहब के सपने को तार तार कर रही है, आज पूरा देश एक है कि बाबा साहब के सपने को, बाबा साहब के संविधान को हम मिटने नहीं देंगे, ये हम कहना चाहते हैं, पूरा आम आदमी पार्टी, देश का वो हर व्यक्ति आज एक साथ है और देश में चुनाव हो गया है, एक तरफ है भारतीय जनता पार्टी, और एक तरफ है भारतीय जनता। धन्यवाद अध्यक्ष महोदय।

माननीय अध्यक्षः श्री राजेश गुप्ता जी।

श्री राजेश गुप्ताः धन्यवाद अध्यक्ष जी आपने इस विषय पर बोलने का मौका दिया। अध्यक्ष जी, जो डोनेशन होता है उसको अगर आप बहुत आसान सी उसकी हिंदी में ट्रांसलेट करें तो उसका मतलब होता है दान। उर्दू में अरबी में उसे जकात कहते हैं यानि जो आदमी अपनी मर्जी से कुछ दान करता है। ऐसे ही कुछ सरकार ने एक ऐसी पॉलिसी बनायी कि जो लोग अपनी मर्जी से पॉलिटिकल पार्टी को दान करना चाहते हैं तो उसके लिये एक बांड बना दिया जाये, बड़ी अच्छी सोच है। तो अपनी मर्जी से देना था मेरी जितनी मर्जी है मैं दे दूंगा क्योंकि मुझे उसके ऊपर कोई फायदा भी नहीं मिल रहा, ऐसा माना जाता है। तो दान होता है अपनी मर्जी से। लेकिन अगर किसी का हाथ मरोड़ लिया जाये, किसी की पीठ पे खंजर रख दिया जाये, किसी की कनपटी पे पिस्तौल रख दी जाये या किसी आदमी को ये कहा जाये कि अगर आप अप्रूवर नहीं बनोगे, सरकारी गवाह नहीं बनोगे तो जिंदगीभर जेल में सड़ोगे, तो इसको डोनेशन नहीं कहते, इसे कहते हैं हफ्ता वसूली। और इन्होंने ठोक के हफ्ता वसूली करी इलेक्ट्रोल बांड

के नाम पर। हमारे साथी सोमनाथ जी ने कहा कि इन्होंने पीएचडी करी है, ये डॉक्टरेट करी है। सर ये डाकू ट्रेड करते हैं डॉक्टरेट नहीं करते। डाकू हैं, डरा के, धमका के, पहले किसी के ऊपर केस करते हैं। इनके 39 साथी हैं सर जिनके साथ में ये चुनाव लड़ रहे हैं सर। नाम नहीं जानते, मैं भी नहीं जानता, आप भी नहीं जानते, मीडिया वाले नहीं जानते, कुछ तो ये भी नहीं जानते। ऐसी ऐसी पार्टियां इन्होंने साथ ली हुई हैं 39, कहते हैं शेर अकेला है बोलते हैं ऐसा, 39 पार्टियां हैं और 39 के बाद में तीन पार्टी और हैं एक का नाम है ईडी, एक का नाम है सीबीआई, एक का नाम है इनकम टैक्स और आजकल एक चौथी भी बन गयी है जो इन सबको चलाने के लिये हैं वो है इलेक्ट्रोल बांड, उसका पैसा। और कहते हैं हम अकेले लड़ रहे हैं। लगातार लोगों पर छापे मारने, उनका डराना, डराने के बाद में उनसे कहना भई पैसा दो, वो पैसे देते हैं, दो तरीके से पैसे लेते हैं एक दो नंबर में उसके ऊपर बात कर नहीं सकते क्योंकि कोई सबूत नहीं है, एक एक नंबर में जो इन्होंने इलेक्ट्रोल बांड से लिया। पहले पैसे ले लिये 5 करोड़ रुपये, उसके बाद में जब उसने बेल के लिये अप्लाई किया तो ईडी कुछ नहीं बोली। कहते हैं नहीं पीठ में दर्द है और उसको बेल दे दी गयी। उसके बाद में उससे 55 करोड़ रुपये और ले लिये जिसको ये साउथ का किंगपिन बताते थे। कैसे ले लिये? इससे ज्यादा एक डाकू क्या करता है, डाकू ऐसे ही तो करता है किसी का बच्चा उठा लो, बिल्कुल शरद रेड्डी वाले केस में यही हुआ है। बच्चा उठा लिया, उसको जेल में बद कर दिया, कि लाओ भई पैसे दो नहीं

तो तुम्हारे बच्चे को नहीं छोड़ेंगे और इसी शर्त पे छोड़ेंगे दो शर्तें हैं एक पैसा दोगे, दूसरा अरविंद केजरीवाल का नाम दोगे। वो फिर भी नहीं माना, लेकिन एक बाप कब तक अपने बच्चे को जेल में देख सकता है। छह महीने इतनी बड़ी कंपनी का मालिक का बच्चा लगातार बंद रहे, आखिरकार वो बेचारा टूट गया। ये इनका काम है। तो ये है डाकू ट्रेड वाले लोग। हां बिल्कुल डाकू ट्रेड। अच्छा अब चूंकि विजेंद्र जी ने कुछ सवाल रखे तो विजेंद्र जी याद कर लेना, बार बार मत पूछना क्योंकि हम कई बार बता चुके हैं अर्धसत्य न बड़ा खतरनाक होता है। आपने कहा कि इस नयी पॉलिसी में 849 दुकानें खुलने वाली थी, तो पहले कितनी थीं? क्या पहले दिल्ली में 50 ही दुकानें हैं। पहले कितनी थी, ये पता कर लो, ठीक है। दूसरी चलो मैं आपको उदाहरण से बता देता हूं। इसी विधान सभा में मैं चार बार बोल चुका हूं वजीरपुर के अंदर एक मॉल है केशवपुरम में, आप आना मैं आपको दिखाऊंगा आर. जे. मॉल है। उसको कहते थे ठेका मॉल, उसमें बहुत सारी शराब की दुकानें थी। मैं विधान सभा से खड़े हो के बोलता रहा कि सर ये शराब की दुकानें बहुत सारी हैं ये बंद होनी चाहियें, डाईट का सेंटर है बच्चियां पीछे पढ़ती हैं। नई पॉलिसी में सर वो बंद हो गयी, वो दुकानें बंद हो गयी एक रह गयी, सारी बंद हो गयी। जानते हैं क्यों? नयी पॉलिसी के अंदर ये था कि किसी भी वार्ड में दो से तीन दुकानें ही रहेंगी, इससे ज्यादा नहीं होंगी। आपने ठीक कहा कि 849 दुकानें ही रह जातीं क्योंकि पहले भी इतनी थी। सर ठीक कर लो, ये आपने बोला मैं नहीं बोल रहा।

...व्यवधान...

श्री राजेश गुप्ताः एक मिनट रूक जाओ अब मैं आपके बीच में नहीं बोला। सुनो-सुनो-सुनो, आ जाओ सुनो। मतलब अरविंद केजरीवाल जी का और मनीष सिसोदिया जी का बहुत धन्यवाद करता हूं क्योंकि उन्होंने डायरेक्ट इस काम के अंदर पड़कर और इन दुकानों को बंद करवाया। अब आप कह रहे हो कि शराब की बोतल के ऊपर प्रॉफिट कम हो गया। भई देखो हम तो कभी ठेके पर गये हुए नहीं, सुनो मेरी बात सुनो। अब ये तो कमाल की बात है ठीक है हम भी बनिये हैं लेकिन कितना प्रॉफिट है, कितना बीस पच्चीस पैसे दुकान वाला क्या कमा रहा है शराब वाला क्या बता रहा है बड़ा कमाल कर दिया आपने। लेकिन चलो मैं आपको आगे बात बताता हूं। कोई भी सरकार 91 के बाद में सरकार देश के अंदर ये काम कर रही है कि प्राईवेट सेक्टर्स को हटा रही है बाहर, मानते हो आप? आपने एयर इंडिया को बेच दिया, आपने प्रॉफिटेबल कंपनीज़ एलआईसी जैसी बेच दी, बेची सर? आपने कई बैंक बेच दिये, आपने स्विस बैंक ऑफ इंडिया बेच दिया, स्विस ही है न, एसबीआई की यही फुल फार्म है क्योंकि काला धन तो उसी में ही है। तो स्विस बैंक ऑफ इंडिया वही है। आप उन सबको बेचते हुए चले जा रहे हो, क्यों बेच रहे हो, आपका कितना किकबैक है उसके अंदर बताईये आप जरा? तो दिल्ली सरकार की भी पॉलिसी है पढ़ लो उसको कि प्राईवेट रूक जाओ, कि प्राईवेट कंपनीज़ को आगे रखा जाये, सरकारी एजेंसीज को इसके अंदर से बाहर निकाल दिया जाये और उसके लिये दिल्ली सरकार से जो उसके अंदर काम करे

उस पॉलिसी के तहत 9500 करोड़ रुपये का दिल्ली को राजस्व का फायदा हो रहा था, और कैसे हो रहा था सर, नहीं समझेंगे कोई बात नहीं, वही मैं समझा रहा हूं। मैं समझा रहा हूं मैं भी तो बनिया हूं, मैं समझा दूंगा और स्पीकर साहब भी समझ रहे हैं, समझो। 9500 करोड़ रुपये का फायदा हो रहा था कैसे हो रहा था? क्योंकि जो लाइसेंसिंग फीस थी वो पहले थी 8 लाख रुपये, कितनी थी 8 लाख रुपये। उसको कितना बढ़ा के कर दिया 75 लाख रुपये। पहले देने पड़ते हैं। पहले देने पड़ेंगे तो राजस्व का फायदा हो रहा था। उसके बाद में ऐसा कौन सा काम है जिसके अंदर करप्शन भी हो जाये और आप कहते हो एक के साथ एक फ्री भी मिल गयी। यार कमाल हो गया। दूध में कितना किकबैक है आपका, कितना महंगा कर दिया आपने? पनीर में कितना किकबैक है आपका, पैट्रोल में कितना किकबैक है आपका, बता दो, इतनी महंगाई जो बढ़ रही है जो चार दोस्तों की वजह से जो आपके उसमें कितना किकबैक है? बता दो सिलेंडर में कितना किकबैक है? वो आप यहां नहीं बता पाओगे मुझे लगता है कि आपकी बात पर मैंने आपको बता दिया इसके आगे मैं बताना नहीं चाहता। एक सवाल आपसे होगा वो आप बाद में बता देना सदन को अभी बीच में मत बोलना कि रात को जो शराब बिकती है गुजरात की बात नहीं कर रहा वहां दिन में भी मिल जाती है आपको पता है, मैं दिल्ली की बात कर रहा हूं। क्या आपको नहीं पता कि रात को बिकती है और पूरी की पूरी इल्लिगल बिकती है लेकिन आप चाहते हो इल्लिगल बिके। आप हरियाणा में नहीं बोलते, चलो मेरे साथ में

अभी कितनी दूर है हरियाणा यहां से, हरियाणा यहां से कितनी दूर है, हरियाणा में चल के देख लो कितने अहाते बने हुए हैं वो तो नहीं बोलते आप, बैठ के पियो खूब वहां, लेकिन वहां आप नहीं बोलोगे, खैर। चलो ये बात यहां पे खत्म हो जाती है अब आज के बाद शराब की बात करना नहीं, हुई तो इसको दोबारा समझा दूंगा।

...व्यवधान...

श्री राजेश गुप्ताः समझा देंगे।

माननीय अध्यक्षः बैठिये।

श्री राजेश गुप्ताः सर अब एक बात आती है जिसके उपर आज ये चर्चा रखी गयी है उस पर आ जाते हैं प्वाईंट के उपर फटाफट से।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः अखिलेश जी बैठिये, अखिलेश जी। बैठिये प्लीज़। प्लीज़ बैठिये।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः संजीव जी, बैठिये, अखिलेश जी बैठिये।

...व्यवधान...

श्री राजेश गुप्ताः अध्यक्ष जी, जिसके लिए इन्होंने।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः अखिलेश जी, अखिलेश जी बैठिये। अखिलेश त्रिपाठी जी।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः अखिलेश जी, प्लीज़, अखिलेश जी अब नहीं प्लीज़।

श्री राजेश गुप्ताः अध्यक्ष जी, सिर्फ मुझे ज्यादा समय नहीं चाहिये, पांच सात मिनट में अपनी बात को रखना चाहता हूं। अब एक बात आती है जिसके ऊपर ये चर्चा शुरू हुई थी मेन टॉपिक जो था। यहां पर बहुत सारे लोग जानते हैं कि हर एकादशी को मैं खाटू श्याम मंदिर जाता हूं। वहीं बहुत सारे भाजपा के साथी भी होते हैं, सब पार्टी के लोग जाते हैं, आप भी बहुत बार वहां गये हो, आपने तो राष्ट्रीय ध्वज लगवाया है आम आदमी पार्टी की तरफ से, आप वहां पर आये थे। अब ये लोग कैसे करते हैं जैसे अभी विजेंद्र जी कह रहे थे कि आप पुलिस कंप्लेंट क्यों नहीं करी ऋतुराज जी ने। अब विजेंद्र जी मेरे बड़े भाई हैं, विजेंद्र जी मुझे कहीं मिलें और विजेंद्र जी अभी पिछली बार मैंने रामदेव जी को भी कहा था विजेंद्र जी मैं आपको कह रहा हूं मैं आपके घर पर आ गया कहीं शादी में मिल गया, फंक्शन में मिल गया। मैंने कहा विजेंद्र जी देखो आपको टिकट दे नहीं रहे सांसद की, नहीं दी। आपको एलओपी भी नहीं बना रहे। अब मैं कहूं कि चलो एलओपी तो हम बना नहीं सकते क्योंकि जिंदगी में हम विपक्ष में आने वाले नहीं हैं यहां दिल्ली विधान सभा में तो वो च्वाईस है नहीं

हम पर लेकिन सांसद की टिकट हम आपको दे सकते हैं आप इधर आ जाओ। लालच है न ये। अब आप मेरी रिकार्डिंग कर सकते हो, आप मेरी पुलिस में कंप्लेंट कर सकते हो, नहीं कर सकते क्योंकि मैं तो छोटा भाई बनके आया हूं आपके पास। ऐसे ही आप बड़े भाई बनके आ सकते हो। यही आप करते हो। अब बहुत सारे लोग वहां पर इकट्ठे हो जाते हैं, बैठते हैं और आकर कहते हैं कि भई अब केजरीवाल जी को तो हमने गिरफ्तार कर लिया देखो हमने कहा था। अब हम यहां पर राष्ट्रपति शासन लगा देंगे एलजी साहब ने टीवी पर बोल दिया कि जेल से तो नहीं चलने दूंगा, बोला है न। तो भई एक काम करो।

...व्यवधान...

श्री राजेश गुप्ताः सर मैं आपकी चेयर से बात कर रहा हूं कि मैं भैया मैं स्पीकर साहब से बात कर रहा हूं।

...व्यवधान...

श्री राजेश गुप्ताः तो ये कहते हैं कि आप अपना सुनहरा भविष्य किसलिये खराब करते हैं। अब आपने भई आपकी लोकसभा की भी सीट भी कांग्रेस को दे दी है तो आप हमारे पास आ जाओ क्योंकि हमारा कैंडिडेट तो बहुत कमजोर है और जो आप भी जानते हो सर वहां 14 डाक ट्रस्टी हैं उसी खाटू श्याम में। कितना विरोध हो रहा है उसकी वीडियो विजेंद्र जी पर भी है, आप पे भी आ गयी होगी। अग्रवाल समाज का जबर्दस्त विरोध हो रहा है उसके अंदर कि भई

गलत आदमी को टिकट दे दी और जो इनके कैंडिडेट साहब हैं बाहर ही नहीं निकल रहे वो कह रहे हैं मेरी टांग पे चोट लग गयी। लालच दिया जा रहा है कि आप सांसद बनने के लिये आ जाओ। भई पैसे में नहीं आओगे तो ऐसे आ जाओ जैसे ऋतुराज को कहा कि मंत्री बना देंगे इधर आओगे तो। हमको कहते हैं आपको सांसद बना देंगे आप आ जाओ तो। तो इस किस्म के लालच रोज ेंकते रहते हैं और रही रिकार्डिंग और कंप्लेंट वाली बात जो अपने बनके आओगे तो उसके ऊपर किस तरीके से क्या बात कर सकते हो। ये बार-बार बस एक ही बात को रखते हैं कि आप इस तरफ को आओ, आपको बहुत सारे फायदे होंगे कि नहीं तो वहां पर आपको जेल में डाल देंगे, वहां पर आपको ईडी के पास भेज देंगे। मैं समय की गरिमा को देखते हुए सर बस एक बात पूछना चाहता हूं। बड़ा सिंपल सा एक प्वाईंट है ये 5वीं क्लास का बच्चा समझ सकता है मुझे लगता है यहां तो बहुत समझदार दो-दो, तीन-तीन बार के विधायक हैं, एक सिंपल सा प्वाईंट है कि जिसको इन्होंने खुद गिरफ्तार करा, शरद रेड्डी को इन्होंने गिरफ्तार करा, इनकी ईडी ने करा उससे इन्होंने 5 करोड़ रुपये क्यों लिये इलेक्ट्रोल बांड में क्या इनको नहीं मालूम था, ये खुद ही कह रहे थे न कि शराब का साउथ का किंगपिन है, उसी आदमी की जब ईडी जमानत देती है, ईडी इसमें कोई सवाल नहीं खड़ा करती, कि जाने दो, उसी से ये 55 करोड़ रुपये दोबारा ले लेते हैं। तो सर मेरा सवाल इस बात का है कि ये हफ्ता वसूली करी गयी, इसका जवाब कौन देगा? तो इसका जवाब चाहिये सर सारी बातें बेकार हैं पन्ने बहुत सारे थे मेरे पास में।

लेकिन मेरा दिमाग उसके आगे जा नहीं रहा सर। मैं ये जानना चाहता हूं कि ये 60 करोड़ रुपये जो हफ्ता वसूली करी गयी इसका जवाब कौन देगा? तो ये विजेंद्र जी देंगे मैं अभी पूछूंगा इनसे भई भाजपा वाले देंगे, मुझे लगता है मैं कि इसके आगे मैं बात ही नहीं करूंगा ये जवाब दें। और कोई बात नहीं, बात का जवाब दें ये, और ये बात यहीं खत्म नहीं होगी, ये बात मैं पूछ रहा हूं बार बार। जवाब दो सर। आ जाओ भई सारे। नहीं आप जवाब दोगे।

...व्यवधान...

(सत्तापक्ष के माननीय सदस्य नारे लगाते हुए वेल में आ गये)

माननीय अध्यक्षः माननीय सदस्यगणों से प्रार्थना है अपने अपने स्थान पर बैठें। माननीय सदस्यगण, कृपया अपने स्थान पर बैठें।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः माननीय सदस्यगण कृपया अपने स्थान पर बैठें। अब सदन की कार्यवाही सोमवार दिनांक 8 अप्रैल, 2024 को पूर्वाहन् 11 बजे तक के लिये स्थगित की जाती है। धन्यवाद।

(सदन की कार्यवाही सोमवार दिनांक 8 अप्रैल, 2024 को पूर्वाहन् 11 बजे तक के लिये स्थगित की गई।)

© दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र शासन अधिनियम, 1991 की धारा 18 (2) के उपबंधों तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली विधान सभा प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 281 (2) के प्रावधानों के अंतर्गत प्रकाशित तथा ग्राफिक प्रिंटर्स, 2965 /41, बीडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली-110 005 द्वारा मुद्रित।